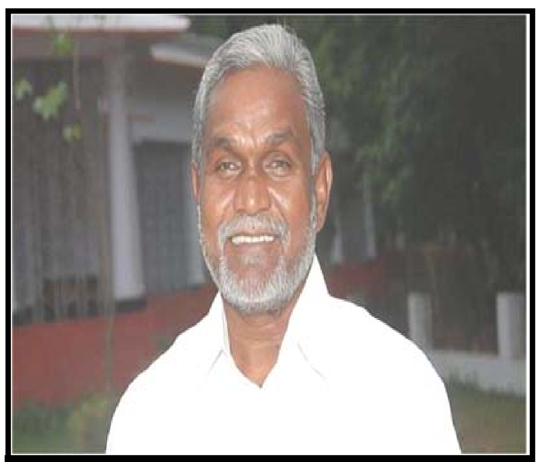

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बारे में हाल ही में काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो सकते हैं। इन अफवाहों के बीच, चंपई सोरेन ने ट्विटर पर अपनी स्थिति स्पष्ट

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:248 दिनांक:19-08-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

आहमदाबाद में कार्यक्रम में नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीएए को लेकर भ्रम फैलाया गया यह किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं बल्कि नागरिकता देने के लिए है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस का सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

सीजेआई की बेंच करेगी सुनवाई कोलकाता कांड की सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता कांड को लेकर स्वतः संज्ञान ले लिया है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई ट्रेनी डॉक्टर के रेप- हत्या के मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी। कोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लिया है। मंगलवार 20 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी, पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।

बता दें कि 17 अगस्त को राष्ट्रव्यापी आक्रोश और चिकित्सा बिरादरी की हड़ताल के बीच सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इसी मुद्दे पर एक याचिका दायर की गई थी। चीफ जस्टिस को प्रेषित इस पत्र याचिका में सुप्रीम कोर्ट से 9 अगस्त को कोलकाता में पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या की भयावह और शर्मनाक घटना का स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया गया था। याचिकाकर्ता आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, सिकंदराबाद की बीडीएस डॉ. मोनिका सिंह के वकील सत्यम सिंह ने अदालत से अनुरोध किया था कि 14 अगस्त को असामाजिक तत्वों द्वारा आरजी कर मेडिकल कॉलेज पर किए गए हमले की भी निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। पत्र में मामले के लंबित रहने तक आरजी कर मेडिकल कॉलेज और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश देने की गुहार भी लगाई गई थी। इसमें तर्क दिया गया था कि हमले और अपराध स्थल पर हुई बर्बरता को रोकने में स्थानीय कानून और प्रवर्तन एजेंसियों की विफलता को देखते हुए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रूस में आया भयंकर भूकंप, ज्वालामुखी फटा, 8 किमी तक उठा गुबार

मॉस्को (ईएमएस)। रविवार को सुबह सुबह रूस के पूर्वी तट पर 7.0 तीव्रता वाले भूकंप के बेहद तेज झटके आए हैं। यह भूकंप इतना तेज था कि इससे रूस के शिवलुच ज्वालामुखी में विस्फोट हो गया। रूस यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह (रूसी समय के अनुसार) ज्वालामुखी के पास लिए गए वीडियो में वहां समुद्र तल से 8 किलोमीटर (5 मील) ऊपर तक राख का गुबार उठता दिखा। वहीं इसके बाद ज्वालामुखी से लाल गर्म लावा बहता दिखा।यह ज्वालामुखी रूस के पूर्वी क्षेत्र कामचटका में लगभग 181,000 की आबादी वाले तटीय शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 280 मील दूर है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस भूकंप और उसके बाद हुए ज्वालामुखी विस्फोट से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। वहीं अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 55 मील दूर था और इसकी गहराई लगभग 30 मील थी। इस भूकंप के किसी इमारतों को होने वाले संभावित नुकसान की जांच की जा रही है। सोशल फैसिलिटीज पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

देहरादून में पंजाब की एक किशोरी के साथ आईएसबीटी में बस के अंदर सामूहिक दुष्कर्म

देहरादून (ईएमएस)। देहरादून में पंजाब की एक किशोरी के साथ आईएसबीटी में बस के अंदर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना 13 अगस्त तड़के की बताई जा रही है। किशोरी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से देहरादून आई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आईएसबीटी परिसर से कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, पंजाब की रहने वाली किशोरी मुरादाबाद से यूपी रोडवेज की बस में सवार हुई थी। वो 13 अगस्त रात करीब दो बजे आईएसबीटी देहरादून पहुंची। आरोप है कि बस खाली होने के बाद करीब पांच लोगों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। बाद में किशोरी को बस से उतारकर आरोपी चले गए। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की हेल्पलाइन टीम को आईएसबीटी के बाहर किशोरी बदहवास हालत में मिली।

कमेटी ने किशोरी की काउंसलिंग की तो उसने आपबीती सुनाई। कमेटी के सदस्य शनिवार रात आईएसबीटी चौकी पहुंचे और घटना की जानकारी दी। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने खुद आईएसबीटी चौकी पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उनके निर्देश पर सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया।

दून स्थित आईएसबीटी से शनिवार को पुलिस की टीम कर्मचारी को अपने साथ उठा ले गई। मामले की जानकारी तब मिली, जब मौके पर कैश जमा करने के लिए एक-एक परिचालक पहुंचने लगे, मगर वहां तैनात कर्मचारी गायब था। जानकारी ली तो पता चला कि डयूटी पर तैनात कर्मचारी को पुलिस पूछताछ के लिए ले गई है। इसके बाद बड़ी संख्या में ड्राइवर-कंडक्टर आईएसबीटी चौकी पहुंच गए, जहां पता लगा कि किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच में पूछताछ के लिए कर्मचारी को पुलिस चौकी लाई। इसके बाद रोडवेज बस ड्राइवर और कंडक्टर चौकी से लौट आए। हिरासत में लिए कर्मचारी से रात 12 बजे से बाद तक पूछताछ जारी थी।

आईएसबीटी में सुरक्षा की दृष्टि से एमडीडीए की ओर से कई जगह सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। ऐसे में इन कैमरों की फुटेज से पुलिस को बड़ी मदद मिल सकती है। किशोरी ने पूछताछ में बताया कि जिस बस में उसके साथ दरिंदगी की गई, वो लाल रंग की थी। संभवतः उसके साथ दूसरे राज्य की रोडवेज बस में सामूहिक रेप किया गया। लेकिन, यह भी आशंका जताई जा रही कि उसके साथ उत्तराखंड की रोडवेज बस में दुष्कर्म हुआ होगा। दून पुलिस इस मामले में गंभीरता के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

आईएसबीटी में बस के अंदर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म सामने आने के बाद यहां पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है। इस बस अड्डे के मुख्य गेट से सटकर पटेलनगर कोतवाली की आईएसबीटी चौकी है। बस अड्डे पर पूरी रात बसें और यात्रियों का आना जाना लगा रहता है। ऐसे में किशोरी के साथ तड़के बस में दुष्कर्म होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

ट्रेनी लेडी डॉक्टर रेप-मर्डर मामला : मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल से सीबीआई ने की कड़ी पूछ-ताछ

कोलकाता,(ईएमएस)। ट्रेनी लेडी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले में सीबीआई की शक की सुई अब कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल पर अटक गई है। यही वजह है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष से सीबीआई ने लगातार दो दिनों तक पूछताछ की है। यही नहीं लगातार तीसरे दिन रविवार को भी उन्हें पूछताछ के लिए बुला लिया गया है।

जानकारी अनुसार सीबीआई ट्रेनी लेडी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में हर उस शख्स से पूछताछ कर रही है, जिस पर जरा भी शक हो सकता है। इसी के चलते आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष से लगातार पूछ-ताछ की जा रही है। सुबह साढ़े दस बजे के करीब वो सीबीआई ऑफिस पहुंचे थे, जहां उनसे देर रात करीब पौने दो बजे तक पूछताछ की गई। इससे एक दिन पहले भी प्रिंसिपल से पुलिस ने 13 घंटे तक पूछताछ करते हुए सवाल-जवाब किए थे। ऐसे में खबर यह है कि सीबीआई ने रविवार को यानी लगातार तीसरे दिन भी उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में आज भारी बारिश का अलर्ट

दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के कई राज्यों में मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों तक बारिश जारी है। कई राज्यों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में सुबह से बादल आंख मिचौली खेल रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में भी आज हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक केरल के पथनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में भारी बारिश हो सकती है। यहां रविवार और सोमवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी रहेगा। पथनमथिट्टा और एर्नाकुलम में भी अलर्ट जारी किया है। कोट्टायम में मणिमाला नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर है। प्रशासन ने नदी के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने की सलाह दी है। तटीय इलाकों में समुद्र का पानी घुसने की भी आशंका है। लोगों से अपील की गई है कि वे ऊंचाई वाले इलाकों में रात में यात्रा न करें। भारी बारिश के दौरान नदी में न जाएं। मैदानी इलाकों के साथ पहाड़ों पर भी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। बारिश से पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से घर में ही रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 20 अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण के राज्यों में जहां भारी बारिश जारी है वहीं उत्तर भारत में पिछले दो-तीन दिनों से बारिश की गतिविधियां कम हुई हैं। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, यूपी और राजस्थान में छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी हल्की बारिश के आसार हैं। दिल्ली में 20 अगस्त तक और यूपी में 22 अगस्त तक बारिश हो सकती है।

राजस्थान के सौ अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर,(ईएमएस)। जयपुर के मोनिलेक और सीके बिरला अस्पताल समेत ही कुल सौ अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकी की सूचना से पूरे शहर में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी अनुसार किसी अज्ञात शख्स ने ईमेल के जरिए यह धमकी दी है, जिसमें दावा किया गया कि अस्पतालों के बेड के नीचे और बाथरूम में बम लगाए हुए हैं। मेल द्वारा चेतावनी दी गई कि अस्पताल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे और चारों तरफ खून ही खून नजर आएगा। अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हुईं और तमाम अस्पतालों की सुरक्षा को बढ़ाने का काम भी आनन-फानन में कर दिया गया। इसी के साथ बम स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने अस्पतालों की गहन तलाशी शुरु कर दी। सभी अस्पतालों पर अलर्ट जारी करते हुए मरीजों और कर्मचारियों को सुरक्षा की दृष्टि से बाहर भी निकाल लिया गया। पुलिस और जांच एजेंसियां धमकी देने वाले की तलाश और हकीकत जानने गहन जांच में जुट गई हैं। धमकी को देखते हुए जयपुर शहर की भी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

बुलंदशहर में पिकअप-मैक्स की टक्कर में दस लोगों की मौत, 27 घायल

बुलंदशहर,(ईएमएस)। बुलंदशहर में बस और पिकअप गाड़ी की टक्कर में दस लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हुए हैं। हादसा बदायूं-मेरठ स्टेट हाइवे पर बुलंदशहर में सलेपुर में हुआ। इस सड़क घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को जल्द इलाज मुहैया कराया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुलंदशहर में उस समय चीख पुकार मच गई जब एक पिकअप और मैक्स वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही सात लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोगों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक घटना बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र की है जहां पर एक पिकअप और मैक्स गाड़ी आपस में टक्कर हो गई। जिसमें दस लोगों की जान चली है जबकि 27 लोग घायल हुए हैं जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें मरेठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया है।

सीएम योगी ने घटना पर दुख जाते हुए घायलों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। मृतकों के परिजनों के प्रति योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने बताया हमारा पहला उद्देश्य घायलों का समुचित इलाज कराया जाए। सीएम योगी की तरफ से जो भी मदद होगी उसे मृतक के परिजनों को उपलब्ध कराया जाएगा।

बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत

भुवनेश्वर(ईएमएस)। ओडिशा में हाल ही में बिजली गिरने की घटनाओं ने तबाही मचाई है। अलग-अलग जगहों पर हुई इन घटनाओं में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। राज्य में अचानक हुई इस आसमानी आफत ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। राज्य सरकार ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है। मौसम विभाग ने भी लोगों से सावधान रहने की अपील की है और बिजली गिरने के दौरान सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की सलाह दी है।

भारत गोला-बारूद निर्माण में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

फिक्की और केपीएमजी की नई रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिक्की और केपीएमजी की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत गोला-बारूद निर्माण में वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट में इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की क्षमता और रणनीतिक प्रगति के बारे में बताया गया है। इसमें बताया गया है कि भारत के पास दुनिया में तेजी से बढ़ते हथियार बाजार पर कब्जा करने की क्षमता है। एम्मो इंडिया 2024 रिपोर्ट में गोला बारूद निर्माण क्षेत्र में बढ़ते अवसर को रेखांकित किया गया है। भू-राजनीतिक संघर्ष, सैन्य खर्च में वृद्धि और बढ़ते विद्रोह ने दुनिया में सैन्य खर्च को तेजी से बढ़ाया है। इसने वैश्विक हथियार बाजार में भारतीय कंपनियों के लिए मौके बढ़ गए हैं।

एम्मो इंडिया 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक गोला-बारूद बाजार के सालाना 3.95 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए साल 2032 तक 1,84,092 करोड़ (22 अरब डॉलर) तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत के घरेलू हथियार उद्योग की इस विकास पथ में महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। साल 2023 में गाला-बारूद की वैश्विक मांग 1,29,260 करोड़ रुपये (15.5 अरब डॉलर) आंकी गई थी। इसमें भारी कैलिबर गोला-बारूद का हिस्सा सबसे ज्यादा 53.4 प्रतिशत था। इसके बाद ग्रेनेड, माइंस और मोर्टार की 23.27 प्रतिशत और मध्य कैलिबर की हिस्सेदारी 12.84 प्रतिशत थी।

भारतीय गोला-बारूद बाजार तेजी से बढ़ने की राह पर है। गोला-बारूद बाजार में पर्याप्त वृद्धि को देखते हुए साल 2032 में इसके बाजार का मूल्य 7,057 करोड़ रुपये (84.4 करोड़ डॉलर) होगा, जो वैश्विक गोला-बारूद उद्योग का लगभग 5.5ड्ड है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2023-2032 की अवधि में बाजार 4.93ड्ड की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 11,981 करोड़ रुपये (1.4 अरब डॉलर) हो जाएगा।

भारतीय गोला-बारूद उद्योग पर पारंपरिक रूप से सरकारी स्वामित्व वाली संस्थाओं जैसे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का दबदबा रहा है। अपने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद इन संगठनों को पुरानी तकनीक, अक्षमताओं और आपूर्ति श्रृंखला बाधा जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इससे मांगों को पूरा करने की उनकी क्षमता को सीमित किया है। रक्षा उत्पादन में उदारीकरण नीतियों और मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने निजी क्षेत्र की भागीदारी को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ियों से निवेश में उछाल देखा गया है। गोला बारूद हथियार तीन मुख्य श्रेणियों में बंटा हुआ है।

उत्तेजित भीड़ ने दो स्कूटरों को फ्लाईओवर से नीचे फेंका, स्टंटबाजों से परेशान हैं लोग

बेंगलुरू (ईएमएस)। स्टंट करने वालों पर बेंगलुरू के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उत्तेजित भीड़ ने दो स्कूटरों को फ्लाईओवर से नीचे फेंक दिया। जानकारी के अनुसार कुछ स्टंट बाज व्यस्त फ्लाईओवर पर स्टंट कर रहे थे। जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी। जिसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

यह घटना 15 अगस्त को हुई जब कुछ लोग बेंगलुरु के पास नेलमंगला शहर में एक फ्लाईओवर पर अपने दोपहिया वाहनों पर खतरनाक स्टंट कर रहे थे। इससे गुस्साए यात्रियों ने मामले को अपने हाथों में लेने का फैसला किया और दो स्कूटरों को फ्लाईओवर से नीचे सड़क पर फेंक दिया, जबकि कई मोटर चालक इस दृश्य को देख रहे थे। हालांकि फ्लाईओवर पर स्टंट करने वाले लोग मौके से भागने में सफल रहे।

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद, बेंगलुरु पुलिस ने इस घटना पर संज्ञान लिया और कई मामले दर्ज किए। बेंगलुरु पुलिस ने 36 लोगों के खिलाफ़ लगभग 34 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें स्टंट करने वाले और स्कूटर को फेंकने वाले दोनों ही शामिल हैं - सार्वजनिक सुरक्षा को जोखिम में डालने के आरोप में केस दर्ज किए गए हैं।

महाराष्ट्र के ताजा सर्वे में बीजेपी गठबंधन को बढ़त, बहुमत किसी को नहीं

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र से जुड़ा एक ताजा सर्वे सामने आया है, जिसमें बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनती दिख रही है।

टाइम्स नाऊ और मैटराइज सर्वे के अनुसार, महाराष्ट्र में बीजेपी को सबसे ज्यादा 25.8 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है, जबकि कांग्रेस को 18.6 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। इसके अलावा, शिंदे की शिवसेना को 14.2 प्रतिशत, एनसीपी अजित पवार गुट को 5.2 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है। वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 17.6 प्रतिशत, शरद पवार वाली एनसीपी को 6.2 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, 12.4 प्रतिशत वोट अन्य के खाते में जा सकते हैं।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर केंद्र पर भडक़े राहुल गांधी, कहा

आईएएस का निजीकरण आरक्षण खत्म करने की गारंटी...

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के प्रमुख पदों पर लेटरल एंट्री के जरिये जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के फैसले की आलोचना की है। राहुल ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखी पोस्ट में राहुल गांधी ने इसे प्रशासनिक ढांचे और सामाजिक न्याय दोनों को चोट पहुंचाने वाला फैसला बताते हुए कहा कि इस देश विरोधी कदम का इंडिया गठबंधन मजबूती से विरोध करेगा। इससे पहले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती ने भी इसे सत्तारूढ़ भाजपा की मनमानी बताया और साजिश और संविधान का उल्लंघन करार दिया।

राहुल गांधी ने लिखा कि नरेंद्र मोदी संघ लोक सेवा आयोग की जगह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के ज़रिए लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है। मैंने हमेशा कहा है कि टॉप ब्यूरोक्रेसी समेत देश के सभी शीर्ष पदों पर वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं है, उसे सुधारने के बजाय लेटरल एंट्री द्वारा उन्हें शीर्ष पदों से और दूर किया जा रहा है। यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है। राहुल गांधी ने आगे लिखा, चंद कॉरपोरेट्स के प्रतिनिधि निर्णायक सरकारी पदों पर बैठ कर क्या कारनामे करेंगे इसका ज्वलंत उदाहरण सेबी है, जहां निजी क्षेत्र से आने वाले को पहली बार चेयरपर्सन बनाया गया। प्रशासनिक ढांचे और सामाजिक न्याय दोनों को चोट पहुंचाने वाले इस देश विरोधी कदम का इंडिया गठबंधन मजबूती से विरोध करेगा। आईएएस का निजीकरण आरक्षण खत्म करने की मोदी की गारंटी है।

लालू यादव का आरोप

लालू प्रसाद यादव ने भी लेटरल भर्ती का विरोध करते हुए लिखा कि बाबा साहेब के संविधान एवं आरक्षण की धज्जियां उड़ाते हुए नरेंद्र मोदी और उसके सहयोगी दलों की सलाह से सिविल सेवा कर्मियों की जगह अब संघ लोक सेवा आयोग ने निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव, उप-सचिव और निदेशक स्तर पर नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकाला है। इसमें कोई सरकारी कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकता। इसमें संविधान प्रदत कोई आरक्षण नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, कारपोरेट में काम कर रहे भाजपा की निजी सेना यानि खाकी पेंट वालों को सीधे भारत सरकार के महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों में उच्च पदों पर बैठाने का यह नागपुरिया मॉडल है। संघी मॉडल के तहत इस नियुक्ति प्रक्रिया में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिलेगा। वंचितों के अधिकारों पर एनडीए के लोग डाका डाल रहे है।

सपा और बसपा भी विरोध में आए

वहीं सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस फैसले के खिलाफ दो अक्टूबर से प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भाजपा अपनी विचारधारा के संगी-साथियों को पिछले दरवाजे से यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) के उच्च सरकारी पदों पर बैठाने की जो साजिश कर रही है, उसके खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन करने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि यह तरीका आज के अधिकारियों के साथ युवाओं के लिए भी वर्तमान और भविष्य में उच्च पदों पर जाने का रास्ता बंद कर देगा। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा जान रही है कि संविधान को खत्म करने की उसकी चाल के खिलाफ देश भर का 'पीडीए' जाग उठा है तो वह ऐसे पदों पर सीधी भर्ती करके आरक्षण को दूसरे बहाने से नकारना चाहती है। वहीं बसपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी सरकार के इस फैसले को गलत बताया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'केन्द्र में संयुक्त सचिव, निदेशक एवं उपसचिव के 45 उच्च पदों पर सीधी भर्ती का निर्णय सही नहीं है, क्योंकि सीधी भर्ती के माध्यम से नीचे के पदों पर काम कर रहे कर्मचारियों को पदोन्नति के लाभ से वंचित रहना पड़ेगा। मायावती ने कहा कि इन उच्च पदों पर सीधी नियुक्तियां करना भाजपा सरकार की मनमानी होगी, जो कि गैर-कानूनी एवं असंवैधानिक होगा।

चंपाई सोरेन भाजपा में जाएंगे या नहीं, सस्पेंस जारी, सीएम हेमंत बोले

पैसे के दम पर तोड़ी जा रही घर और पार्टी

रांची/दिल्ली(ईएमएस)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के कई विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होंगे या नहीं। इसपर सस्पेंस बरकरार है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स के बायो से जेएमएम लीडर और मंत्री हटा लिया है। पूर्व सीएम के घर सरायकेला-खरसावां जिले के गांव जिलिंगगोड़ा से जेएमएम का झंडा हट गया है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इशारों में भाजपा और चंपई सोरेन पर निशाना साधा है। हेमंत सोरेन ने कहा है कि पैसे के दम पर घर और पार्टी तोड़ी जा रही है। हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनाव आयोग अब संवैधानिक संस्था नहीं रहा है। हेमंत सोरेन ने कहा कि चुनाव की घंटी हमारे विरोधी भाजपा के पास है और जल्द ही ये बजने वाली है।

चंपाई के साथ कई विधायकों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें हैं। इनमें खरसावां से जेएमएम विधायक दशरथ गागराई ने भाजपा में शामिल होने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने एक शपथ पत्र जारी किया है जिसमें लिखा है कि हम आधी रोटी खा लेंगे, मगर गुरु जी (शिबू सोरेन) के मान सम्मान को नीचे नहीं होने देंगे। जेएमएम इस राज्य की माटी की पार्टी है और मुझे गर्व है कि मैं इस पार्टी का सिपाही हूं।

भाजपा डूबता हुआ जहाज

हालांकि चंपई सोरेन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा का भी बयान आया है। पार्टी ने कहा है कि भाजपा डूबता हुआ जहाज है और चंपई सोरेन क्रांतिकारी हैं और कहीं नहीं जाएंगे। इस बीच चंपई सोरेन ने दिल्ली पहुंचने के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं यहां अपने निजी काम से आया हूं। चंपई सोरेन ने कहा कि उनकी बेटी दिल्ली में रहती है, जिसके चलते वे दिल्ली में आते रहते हैं। चंपई ने कहा कि वह अपनी बेटी से मिलने आए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिंघवी बने लॉ, ह्यूमन राइट्स और आइटीआई के हेड

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के शराब घोटाला मामले में फंसे सीएम अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी (आप) के सीनियर लीडर्स का मुकदमा लड़ने वाले अभिषेक मनु सिंघवी को नई जिम्मेदारी मिली है। सिंघवी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी हैं। अब पार्टी ने सिंघवी को नई जिम्मेदारी सौंपी है। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अपने लॉ, ह्यूमन राइट्स और आरटीआई विभाग का पुनर्गठन किया है। कांग्रेस आलाकमान ने अभिषेक मनु सिंघवी को विभाग का अध्यक्ष बनाया है। उनके साथ अन्य वरिष्ठ नेताओं और वकील को भी विभाग में शामिल किया गया है।

कांग्रेस ने अपने कानून, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग का पुनर्गठन किया है. सिंघवी को अध्यक्ष बनाया वहीं विभाग में वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद, केटीएस तुलसी और विवेक तन्खा जैसे लोग शामिल हैं। बयान के मुताबिक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाजुन खड़गे ने एआईसीसी कानून, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग के पुनर्गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। इस विभाग में अमन पंवार, उमर होदा, ईशा बख्शी, अर्जुन शर्मा, निशांत मंडल, अमित भंडारी, तरन्नुम चीमा, निंगोम्बम बुपेंडा मैतेई, लालनुन्हलुई राल्ते और स्वाति ड्रेइक कार्यकारी पैनल के सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

उच्च शिक्षा से छात्रों का मोह भंग, डिग्री के बाद नहीं मिलती नौकरी

इंजीनियरिंग मे युवाओं का मोह भंग

भोपाल (ईएमएस)। युवाओं का इंजीनियरिंग शिक्षा के प्रति मोह भंग होने लगा है। इंजीनियरिंग करने के बाद 15 से 20000 रूपये की नौकरी भी नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में अब युवाओं मे उच्च शिक्षा को लेकर रुचि कम होने लगी है। यह चिंता का विषय है।

मध्य प्रदेश में 140 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। इसमें 71400 बीई और बीटेक की सीटें हैं। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने पोर्टल पर पंजीयन कराए थे। कुल 35570 छात्रों द्वारा पंजीयन कराया गया। 27043 छात्रों ने अपने पसंद के कालेज चुने। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 25641 छात्रों को उनकी पसंद के कॉलेजों का आवंटन किया गया। केवल 12613 छात्रों ने एडमिशन लिया,उसकी फीस भरी है। 13028 छात्रों ने प्रथम चरण में प्रवेश नहीं लिया।

तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 71400 सीटों की अनुमति कॉलेज को दी है। उसकी तुलना में केवल 12613 एडमिशन होना,सरकार और इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इंजीनियरिंग शिक्षा का क्रेज युवाओं में लगातार घटता चला जा रहा है। पिछले वर्षों में इंजीनियरिंग की सीटें कम हुईं हैं। उसके बाद भी छात्र इंजीनियरिंग में प्रवेश लेना नहीं चाहते हैं। इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर लाखों छात्र पिछले कई वर्षों से बेरोजगार हैं।

जन हितैषी

जन हितैषी

भारतवंशी बनेगी अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति?

अमेरिका में एक नया इतिहास बनने जा रहा है। अमेरिका की पहली राष्ट्रपति भारतवंशी कमला हैरिस की संभावना अब बलवती हो गई हैं। अमेरिका में जो नया इतिहास बनेगा, उसमें भारत का बहुत बड़ा योगदान होगा। भारतीय मूल की कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद के चुनाव में लोकप्रियता बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। अमेरिका के प्रत्येक राज्य में कमला हैरिस को बड़ा जन-समर्थन मिल रहा है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का उन्हें समर्थन प्राप्त है। हिलेरी क्लिंटन का भी समर्थन प्राप्त हो रहा है। जिसके कारण उनकी स्थिति राष्ट्रपति पद के चुनाव में बहुत मजबूत है। अमेरिकी नागरिक उन्हें चुनाव लड़ने के लिए भारी चंदा दे रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का चुनाव कमला के मुकाबले में लड़ रहे हैं। वर्तमान राष्ट्रपति जो वाइडेन से शुरुआती दौर में ट्रम्प ने बढ़त बना ली थी। राष्ट्रपति जो वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने के बाद उन्होंने अपना उत्तराधिकारी कमला हैरिस को बनाया। उसके बाद से अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का सारा रंग-ढंग बदल गया। ट्रम्प चुनाव प्रचार अभियान में लगातार पीछे होते जा रहे हैं। कमला हैरिस चुनाव प्रचार के दौरान लगातार बढ़त ले रही हैं। भारतवंशी कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एबीसी चैनल पर 10 सितंबर को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट होने जा रही है। इस डिबेट के पहले ही डोनाल्ड ट्रंप काफी नर्वस नजर आ रहे हैं। भारतीय मूल की हिंदू महिला तुलसी गबार्ड को अपने निवास स्थान पर बुलाकर डिबेट के लिए ट्रम्प उनसे प्रशिक्षण ले रहे हैं। अमेरिका में तुलसी गबार्ड अपने आप को अमेरिका का पहला हिंदू सांसद बताती हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सांसद तुलसी से प्रभावशाली भाषण कला और अमेरिका चुनाव के मुद्दे को लेकर डिबेट की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय मूल के मतदाताओं का उन्हें समर्थन प्राप्त हो, इसके लिए उन्हें तुलसी का समर्थन चुनाव में सहायता करेगा। 2020 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रम्प के पक्ष में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रम्प सरकार के नारे लगाये थे। किन्तु ट्रम्प 2020 का चुनाव मोदी का समर्थन मिलने के बाद भी हार गये थे। 10 सितंबर को एबीसी चैनल पर कमला हैरिस का मुकाबले के लिये ट्रम्प बड़ी तैयारी कर रहे हैं। 2020 के चुनाव में तुलसी गबार्ड ने बहस करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। तुलसी ने एक प्रॉसिक्यूटर के रूप पर कमला हैरिस के कामकाज पर तीखा हमला किया था। बहरहाल जिस तरह से अमेरिका के सभी राज्यों के नागरिकों का झुकाव कमला हैरिस की तरफ स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। उससे उनके जीत की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अमेरिका मैं अभी तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं बनी है। कमला हैरिस जिस तरीके से अपनी बढ़त बना रही हैं। उससे यह स्पष्ट होता जा रहा है। अमेरिका में पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में कमला हैरिस मतदाताओं में पसंद की जा रही हैं। अमेरिका की राष्ट्रपति कमला हैरिस चुनी जाती हैं। उनका भारतीय मूल का होना, भारत के लिए गौरव की बात होगी। उल्लेखनीय है, कमला हैरिस अपने ननिहाल, तमिलनाडु आती रही हैं। वह भारत के लगातार संपर्क में रहती हैं। भारतीय संस्कृति का उन पर प्रभाव है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में कमला हैरिस ने अमेरिका में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। हिलेरी क्लिंटन ने 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा था। उस समय वह चुनाव में पराजित हो गई थी। कमला हैरिस दूसरी महिला हैं, जो अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रही हैं। 2016 में हिलेरी क्लिंटन, राष्ट्रपति पद का चुनाव डोनाल्ड ट्रंप से पराजित हुई थी। अब डोनाल्ड ट्रंप का मुकाबला कमला हैरिस से है। जो उन्हें कड़ी चुनौती देती हुई नजर आ रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप 2016 का राष्ट्रपति चुनाव एक महिला से जीते थे। लेकिन अब स्थितियां पूरी तरह से बदल चुकी हैं। डोनाल्ड ट्रंप इस बार बहुत सारे विवादों और आपराधिक मामलों से घिरे हुए हैं। जिसके कारण चुनाव के दौरान ही उनकी स्थिति काफी कमजोर है।

बचना है तो सरकार को राखी बांधिए

मंहगाई की मार हो या करों का आतंकवाद , कोविड का बुखार हो या केसरिया सेक्युलरिज्म इन सबसे बचना है तो 19 अगस्त को शुभ मुहूर्त में आप अपने देश की,अपने सूबे की सरकार को राखी बांधिए और प्रार्थना कीजिये कि सरकार आपके राखी बंधन को निभाए। अब तमाम समस्याओं से बचने का और कोई विकल्प बचा नहीं है, क्योंकि देश के बड़के भैया ने ऐलान कर दिया है कि इस बार भले ही भाजपा की सरकार बैशाखियों पर टिकी है लेकिन भाजपा अगले 35 साल देश पर राज करेगी।

बड़के भैया की भविष्यवाणी सुनकर,पढ़कर मै कल से लगातार प्रार्थना कर रहा हूँ कि भगवान यदि किसी को भाई दे तो बड़के भैया जैसा दे। बड़के के बड़के तो केवल फेंकने के लिए मशहूर ड बदनाम . थे, किन्तु बड़के भैया तो डींग मारने में दो कदम आगे निकल गए। बड़के भैया ने और उनकी पार्टी ने 4 जून को लोकसभा के नतीजे आने के बाद नितीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को राखी बांधकर भाई बनाया था ,अब बारी आपकी है। क्योंकि अगले 35 साल में मोशा और उनकी पार्टी की सरकार रही तो आपका क्या होगा ,आप ही जानें ? मै तो कुछ बता नहीं सकता ,क्योंकि मुझे अभी तक कोई ऐसा ज्योतिषी नहीं मिला है जो आने वाले 35 साल की सियासत की भविष्यवाणी कर सके।

पिछली 15 तारीख को लाल किले की प्राचीर से भारत भाग्यविधाता ने कहा कि देश की महिलाओं की सुरक्षा बहुत बड़ा मुद्दा है ,सचमुच बड़ा मुद्दा है। हमें इसके प्रति संवेदनशील रहना चाहिए,लेकिन ये मुद्दा बड़ा बना बंगाल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्स्क के साथ सामूहिक और नृशंस बलात्कार की घ्रणित वारदात के बाद। इससे पहले इसी देश में वर्ष 2023 में 25 हजार बलात्कार की वारदातें हुईं लेकिन सरकार को ये समस्या बड़ी नहीं लगी ,क्योंकि ये सब सियासत के रंग में रंगी नहीं थी। इस वारदात के बाद देश के डाक्टर हड़ताल पर हैं ,लगता है जैसे सारे पीड़ित इसी वर्ग से आते हैं। डाक्टरों की हड़ताल मुझे सत्ता प्रतिष्ठान प्रेरित लगती है ,आपको लगती है या नहीं ये अलग बात है । हमारे हाईकोर्ट ने तो डाक्टरों की हड़ताल को तत्काल समाप्त करने को कहा है ,क्योंकि बंगाल में सामूहिक बलात्कार से एक बदनसीब महिला डाक्टर की मौत हुई थी किन्तु डाक्टरों की हड़ताल की वजह से देश में सैकड़ों लोग चिकित्सा के अभाव में कालकवलित हो गए।

देश में दस साल से मोशा की सरकार है इसलिए देश के किसी भी हिस्से में होने वाला कोई भी महिला उत्पीड़न राज्य की सरकारों के साथ ही देश की सरकार के हिस्से में भी दर्ज किया जाना चाहिये । देश में महिलाओं के साथ ज्यादती के मामलों में निर्भया कांड के बाद लिए गए फैसलों का क्या हुआ ? क्यों नहीं शत-प्रतिशत आरोपियों को सजा हुई । क्यों सजा पाने वाले केवल 27-28 फीसदी ही लोग हैं ? साफ़ जाहिर है कि हमारा सिस्टम ,हमारी न्यायपालिका,हमारी सरकार इसके लिए दोषी है। अकेली ममता बनर्जी नहीं। मणिपुर में जब महिलाओं के साथ सरेआम ज्यादतियां हो रहीं थीं तब लालकिले की प्राचीर से महिला उत्पीड़न पर टसुए बहाने वाले कहाँ थे ?

बहरहाल मै रक्षाबंधन पर वापस आता हूँ। देश की महिलाओं की ,खासतौर पर बहनों की रक्षा केवल कलाई पर राखी बाँधने से होने वाली नहीं है। बहनों को चाहिए की वे सरकार की कलाई पर राखी बांधें क्योंकि उनकी सुरक्षा का असल जिम्मा सरकार का है ,सरकारों का है। सिस्टम का है। पुलिस का है। अदालतों और वकीलों का है। हमारे यहां कल तक रक्षाबंधन बाजार नहीं था ,त्यौहार था । हमने रेशम के धागे की राखियां अपनी कलाई पर खूब बँधवाई है। हम अपने गुरु के साथ पूरे बाजार में दुकानदारों को राखी बांधकर त्यौहार मानते थे । जात-पात नहीं देखते थे। तब एक रूपये में रेशमी राखी एक दर्जन आतीं थीं। अब एक राखी कम से कम दस रूपये की और ज्यादा से ज्यादा पता नहीं कितने की आती है। अब राखी चाकलेटों,जेवरों,कपड़ों का त्यौहार हो गया है। राखी न जानें कहाँ छिप गयी है । राखी के दुर्दिन हैं शायद । अन्यथा राकाही में तो वो ताकत थी की मुगल शासक तक उसके बंधन में बांध जाते थे। हमने और आपने बचपन में राखी और धर्म बहनों की अनेक कहानियां पढ़ी और सुनीं होंगी।

राखी का किस्सा हमें त्रेता में सुनने को नहीं मिलता लेकिन द्वापर में कहते हैं कि जब कृष्ण की ऊँगली सुदर्शन चक्र से कट गयी थी तब द्रोपदी ने अपनी साडी का सिरा फाड़कर कृष्ण की ऊँगली पर बाँध कर अपने प्रेम का प्रदर्शन किया था और बदले में चीर हरण के समय कृष्ण ने द्रोपदी की रक्षा की थी । किस्सा सनातन है इसलिए भरोसा कीजिये कि रक्षाबंधन का श्रीगणेश इसी घटना से हुआ होगा। अब किलयुग है । कलियुग में सरकार भाई है और रियाया बहनें। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री ,मंत्री तक जनता से राखियां बंधवाते हैं । हमारे मध्यप्रदेश में तो लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस बार 500 रूपये का नेग सीधे खाते में डलवा दिया है ,फिर भी बहनों को मिटटी में ज़िंदा दफन करने की वारदातें होतीं हैं। दिल्ली में महिला पहलवानों के साथ बाहुबली नेता ज्यादती कर गुजरते हैं। लेकिन देश का रोम नहीं फड़कता। महिलाओं के साथ ज्यादती तभी मानी जाती है जब वो किसी गैर भाजपा शासित सूबे में हो।

राखी है तो राखी की बात करते है। हमारे पंडित जी ने कहा है की कल 19 अगस्त को रक्षाबंधन पर दोपहर 1.30 बजे तक भद्रा रहेगी। इस कारण राखी बांधने का मुहूर्त 1.30 बजे के बाद ही शुरू होगा। रक्षाबंधन पर भद्रा के अलावा मुहूर्त के लिए चौघड़िया, लग्न या किसी भी तरह का विशेष काल नहीं देखा जाता है।भद्रा खत्म होने के बाद से सूर्यास्त तक बहनें कभी भी अपने भाइयों को राखी बांध सकती हैं। वैसे तो रात में रक्षाबंधन करने का विधान किसी ग्रंथ में नहीं है, लेकिन किसी वजह से दिन में रक्षाबंधन नहीं मना पा रहे तो सूर्यास्त के बाद भी राखी बांधने की परंपरा है। मेरा मानना है कि राखी बाँधने का कोई मुहूर्त नहीं होता । बहनें जब अपने आपको असुरक्षित समझें उसी क्षण सरकार को ,थानेदार को मंत्री को ,नेता को राखी बाँध दें । बेहतर हो की महिलाएं राखियां अपने पर्स में हमेशा रखें। क्योंकि आज के युग में राखी ही उन्हें बचा सकती है । सरकार का तो बूता है नहीं उनकी सुरक्षा करने क। सरकार नारी शक्ति वंदन के लिए क़ानून बना सकती है लेकिन नारियों की शक्ति की वंदना करने के बजाय यदि वे सियासत में हैं तो उनका मान-मर्दन जरूर कर सकती है। सभी दल ऐसा करते हैं। भाजपा आजकल ज्यादा कर रही है।हमरी न मानो तो बसुंधरा दीदी से बूझ लीजिये। इसलिए राखी की सबसे ज्यादा जरूरत भाजपा नेताओं को है।(लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

पौराणिक मान्यताओं के आधार पर रक्षा बंधन का पर्व

राखी यानी रक्षा बंधन का त्योहार सात्विक प्रेम का पर्व है। रक्षा बंधन भाई-बहनों का वह त्योहार है, तो मुख्यतः हिन्दुओं में प्रचलित है पर इसे भारत के सभी धर्मों के लोग समान उत्साह और भावपूर्वक मनाते हैं। महाभारत में भी रक्षा बंधन पर्व का उल्लेख है। जब युधिष्ठिर ने भगवान श्री कृष्ण से पूछा कि- मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं, तब कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी।

शिशुपाल का वध करते समय कृष्ण की तर्जनी में चोट आ गई, तो द्रौपदी ने लहू रोकने के लिए अपनी साड़ी फाड़कर चीर उनकी उंगली पर बांध दी थी। यह भी श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने चीरहरण के समय उनकी लाज बचाकर यह कर्ज चुकाया था। रक्षा बंधन के पर्व में परस्पर एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना निहित है।

हिंदू पुराण की कथाओं में रक्षा बंधन के त्योहार का इतिहास वर्णित है। इसमें वामन अवतार नामक पौराणिक कथा में रक्षा बंधन का प्रसंग मिलता है। इसकी कथा इस प्रकार है- राजा बलि ने यज्ञ संपन्न कर स्वर्ग पर अधिकार का प्रयत्न किया, तो देवराज इंद्र ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। विष्णु जी वामन ब्राह्मण बनकर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंच गए। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। वामन बने भगवान ने तीन पग में आकाश-पाताल और धरती नाप कर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। उसने अपनी भक्ति के बल पर विष्णु जी से हर समय अपने सामने रहने का वचन ले लिया। लक्ष्मी जी इससे चिंतित हो गई। नारद जी की सलाह पर लक्ष्मी जी बलि के पास गई और रक्षासूत्र बांधकर उसे अपना भाई बना लिया। बदले में वे विष्णु जी को अपने साथ ले आईं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। हर वर्ष श्रावण पूर्णिमा के दिन राखी पर्व या रक्षा बंधन का यह त्योहार मनाया जाता है। इसे तीन उत्सवों का पर्व भी कहते हैं। इस दिन श्रावणी पूर्णिमा, नारियल पूर्णिमा और रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। पूरे भारत में इस दिन का माहौल देखने लायक होता है और हो भी क्यूं ना, यही तो एक ऐसा विशेष दिन है जो भाई-बहनों के लिए बना है। इसी दिन यज्ञोपवीत बदला जाता है। वर्षों से चला आ रहा राखी का त्योहार आज भी बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हालांकि रक्षा बंधन की व्यापकता अब पहले से भी कहीं ज्यादा है। राखी बांधना सिर्फ भाई-बहन के बीच का कार्यकलाप नहीं रह गया है। यूं तो भारत में भाई-बहनों के बीच प्रेम और कर्तव्य की भूमिका किसी एक दिन की मोहताज नहीं है पर रक्षा बंधन के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की वजह से ही यह दिन इतना महत्वपूर्ण बना है।

राखी देश की रक्षा, पर्यावरण की रक्षा, हितों की रक्षा आदि के लिए भी बांधी जाने लगी है। हिन्दू श्रावण मास यानी जुलाई-अगस्त के बीच पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह त्योहार भाई का बहन के प्रति प्यार का प्रतीक है। रक्षा बंधन पर बहनें भाइयों की दाहिनी कलाई में राखी बांधती हैं, उनको तिलक करती हैं और उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती हैं।

इतिहास में राखी के महत्व के अनेक उल्लेख मिलते हैं। जिसमें मेवाड़ की महारानी कर्मावती ने मुगल राजा हुमायूं को राखी भेज कर रक्षा-याचना की थी।रक्षा बंधन का पर्व/त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान है और हर भारतवासी को इस त्योहार पर गर्व है। लेकिन भारत में जहां बहनों के लिए इस विशेष पर्व को मनाया जाता है वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो भाई की बहनों को गर्भ में ही मार देते हैं। आज कई भाइयों की कलाई पर राखी सिर्फ इसलिए नहीं बंध पाती क्योंकि उनकी बहनों को उनके माता-पिता ने इस दुनिया में आने ही नहीं दिया। यह बहुत ही शर्मनाक बात है कि जिस देश में कन्या-पूजन का विधान शास्त्रों में है, वहीं कन्या-भ्रूण हत्या के मामले निरंतर सामने आते रहते हैं। यह त्योहार हमें यह भी याद दिलाता है कि बेटी, बहनें, बहू, लड़कियां हमारे जीवन में कितना महत्व रखती हैं। अगर हमने कन्या-भ्रूण हत्या पर जल्द ही काबू नहीं पाया तो मुमकिन है एक दिन देश में लिंगानुपात और तेजी से घटेगा और सामाजिक असंतुलन भी। इसके साथ ही उन्ही बहनों को कुछ पुरुषों द्वारा उन्हें हानि पहुंचाने का काम भी किया जाता है, जो कि उचित नहीं हैं। इतना ही नहीं कई बालिकाएं युवाओं की शिकार हो जाती है, जो कि बिलकुल भी भाई कहलाने के लायक नहीं है।इसीलिए सभी को चाहिए कि वे भाइयों-बहनों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम, कर्तव्य और रक्षा का दायित्व लेते हुए शुभकामनाएं तथा शुभाशीष के साथ रक्षा बंधन का त्योहार मनाना चाहिए। साथ ही बहनों की जान तथा लाज बचाने का संकल्प भी लेना चाहिए, ताकि किसी भी भाई की कलाई सुनी ना रहें और बहनें भी हमेशा सुरक्षित रहें। राखी पूर्णिमा के पावन पर्व पर रेशम के धागे से बहन द्वारा भाई के कलाई पर बंधा यह बंधन हमें भारतीय होने पर गर्व महसूस कराता है। लेकिन यह तभी संभव होगा जब हम हर बेटी की रक्षा का वचन खुद से लेंगे और उस तरफ ठोस कदम भी उठाएंगे। (लेखक – संजय गोस्वामी /ईएमएस)

रक्षाबंधन पर भी चढ़ा आधुनिकता का रंग : निरंतर बदल रहा है राखियों का स्वरूप

रक्षाबंधन (19 अगस्त) पर विशेष)

भाई द्वारा बहन की रक्षा का वचन देने के प्रतीक के रूप में मनाए जाने वाले त्यौहार रक्षाबंधन के मायने वर्तमान युग में बहुत बदल गए हैं। रिश्तों के इस पर्व पर अब भावनाओं से ज्यादा राखी की कीमत देखी जाने लगी है। बदले जमाने के साथ रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों में तो बदलाव आया ही है, साथ ही कच्चे धागों के रूप में भाई की कलाई पर बांधा जाने वाला भाई-बहन के रिश्ते का यह बंधन अब कच्चे धागों के स्थान पर सोने-चांदी की जंजीरों का रूप ले चुका है। भाईबहन के अटूट प्यार के इस पर्व पर अब आधुनिकता का रंग चढ़ चुका है। समय बदलने के साथ-साथ राखियों का अंदाज पूरी तरह बदल गया है। हर वर्ष रक्षाबंधन पर अब बाजार में सैंकड़ों तरह की नई राखियां आती हैं। लोगों में नए-नए डिजाइनों वाली महंगी राखियों के प्रति दीवानगी इस कदर बढ़ गई है कि अब राखी बनाने वाले बड़े-बड़े निर्माताओं ने तो बाकायदा राखियों के नए-नए डिजाइन तैयार कराने के लिए डिजाइनरों की सेवाएं लेनी शुरू कर दी हैं। राखी का पर्व बीतते ही अब अगले साल के लिए नए-नए डिजाइन तैयार करने की चिंता शुरू हो जाती है क्योंकि राखियों के सैंकड़ों आकर्षक डिजाइनों के बावजूद ग्राहक हर बार 'मोर डिजाइन्स' की डिमांड करते हैं। यही कारण है कि एक साल बनाए गए राखी के नए डिजाइन अगले साल 'आउटडेटेड' हो जाते हैं। फैंसी राखियों में जो डिजाइन एक साल बिकते हैं, वे अगले साल नहीं बिकते जबकि राखी के जिन डिजाइनों में प्राचीन कलात्मकता का प्रयोग किया जाता है, ऐसी राखियां महंगी होने के बावजूद ज्यादा बिकती हैं।

बाजारों में अब पारम्परिक सौन्दर्य के साथ-साथ आधुनिकता का भी तड़का लगा है। परम्परागत राखियों के साथ-साथ बाजार इलैक्ट्रॉनिक राखियों और हैरी पॉटर, फेंगसुई, स्पाइडरमैन, मोगली, मिक्की माउस, छोटा भीम, बेनटेन, डोरीमॉन, वीडियो गेम, कम्प्यूटर, स्मार्टफोन इत्यादि तरह-तरह के डिजाइनों वाली आकर्षक राखियों से भरे नजर आते हैं। महिलाओं तथा बच्चों का आकर्षण भी साधारण राखियों के बजाय नए-नए डिजाइनों वाली इन 'हाइटैक' राखियों की ओर ही देखा जा रहा है। हाईटेक राखियों में गैजेट राखियां, 3-डी और एलईडी तथा म्यूजिकल राखियां शामिल हैं। अधिकांश लोग अब डिजाइनर, हाईटेक और स्वदेशी राखियों को ही पसंद करने लगे हैं। राखी निर्माताओं के साथ-साथ अधिकांश राखी विक्रेताओं का भी यही कहना है कि तकनीक के इस युग में लोग अब हाईटेक और स्वदेशी राखियों की ही ज्यादा मांग करते हैं। पूरी तरह से स्वदेशी स्टोन की रंग बिरंगी आकर्षक 'हाईटेक' राखियों की डिमांड बहुत ज्यादा है। हालांकि राखी निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में कच्चा माल चीन से ही आयात किया जाता है लेकिन डिजाइनर राखियों का डिजाइन देश में ही तैयार किया जाता है। चाइनीज राखियों से लोगों का लगाव काफी कम हो गया है और अब अधिकांश लोग चाइनीज राखियों की जगह स्वदेशी राखियों को ज्यादा पसंद करते हैं। बच्चों को आकर्षित करने के लिए म्यूजिकल राखियों के अलावा घड़ी और छोटे-छोटे सुंदर खिलौने लगी राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं।

कई वर्षों से राखी बेचने का कार्य कर रहे एक दुकानदार बताते हैं कि अब रंग-बिरंगी राखियों का जमाना लद गया है और फैंसी हाईटेक राखियों के इस दौर में हर कोई राखियों के नए डिजाइनों की तलाश में रहता है। वह बताते हैं कि एक समय था, जब रेशम के साधारण धागे ही अधिक मात्रा में बिकते थे किन्तु अब राखियों के डिजाइनों में भी इलैक्ट्रॉनिक राखियों की मांग बहुत बढ़ गई है। घड़ीनुमा व वीडियोगेम वाली राखियां छोटे बच्चों की पहली पसंद बनी हुई हैं। हालांकि लौंग, इलायची व सुपारी वाली कलात्मक राखियां अब भी पसंद की जाती हैं। वह बताते हैं कि ग्रामीण महिलाओं का झुकाव अब भी पारम्परिक राखियों की ओर ही देखने को मिल रहा है लेकिन बड़े लोगों की पसंद अब फैंसी राखियों को छोड़कर सोने-चांदी की राखियों पर टिकी हुई है। चांदी की जंजीरनुमा राखियां तो अब आम हो चली हैं।

एक दुकान पर राखी खरीद रही एक महिला से जब उनकी पसंद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि राखी खरीदते समय वह इस बात का ध्यान रखती हैं कि उसके भाईयों की कलाई पर कौनसी राखी ज्यादा खूबसूरत और आकर्षक लगेगी। उन्होंने बताया कि उन्हें अब परम्परागत गोल राखियों के बजाय नए-नए डिजाइनों वाली इलैक्ट्रॉनिक राखियां ज्यादा पसंद हैं जबकि उन्होंने छोटे बच्चों के लिए मिक्की माउस, स्पाइडरमैन, मोगली इत्यादि बच्चों को लुभाने वाले डिजाइनों की राखियां खरीदी हैं। राखियां खरीद रही एक अन्य महिला के साथ आए बच्चों से उनकी पसंद के बारे में पूछने पर उन्होंने उत्साहित स्वर में बताया कि उन्हें हैरी पॉटर, स्पाइडरमैन व मिक्की माउस की राखियां बहुत पसंद आई हैं। शहर-शहर और गांव-गांव गलियों में जाकर आवाजें लगाकर राखियां बेचने वाले 56 वर्षीय हुक्मचंद तो बदले जमाने की पसंद से खासे हैरान हैं। वह कहते हैं कि वह अब से नहीं बल्कि अपनी जवानी के दिनों से राखियां बेचने का धंधा कर रहे हैं। पुराने जमाने को याद करते हुए वह बताते हैं कि एक समय था, जब वो किसी गांव में जाते थे तो महिलाओं की टोली उन्हें घेर लेती थी और राखियों में सजावट से ज्यादा कोमलता देखी जाती थी किन्तु आज तो राखियों की सौदेबाजी की जाती है। दुखी स्वर में वह कहते हैं कि बदले जमाने ने ऐसी हवा दी है कि उस जैसे गली-गली में राखियां बेचने वाले से राखी खरीदने से पहले लोग अब अपने 'स्टेटस' की ओर देखने लगे हैं और हम जैसे लोगों से वैसे ही आकर्षक डिजाइनों वाली फैंसी राखियां खरीदने के बजाय बहुत से लोग बड़ी-बड़ी दुकानों या गिफ्ट गैलरियों से वही राखियां ऊंचे दामों पर खरीदना अपनी शान समझते हैं।

आधुनिकता के इस दौर में राखी बाजार में अब पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अनूठी और सराहनीय पहल देखने को मिल रही है। दरअसल अब ऐसी राखियों की ओर भी लोगों का रूझान बढ़ रहा है, जो गाय के गोबर से बनाई जाती हैं। कई स्थानों पर अब गौशालाओं में गाय के गोबर से राखियों का निर्माण किया जा रहा है। गोबर को राखी का आकार देकर सुखाया जाता है और फिर उसे सजाकर उसके साथ सूत का धागा बांधा जाता है। बहरहाल, एक ओर जहां बाजार में सामान्य तौर पर बिकने वाली आधुनिक राखियों में चीन से आयातित सामान का इस्तेमाल होता है, जिसमें प्लास्टिक और धातु होने के साथ ही पेंट का भी इस्तेमाल होता है, जो पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं और ऐसी राखियां टूटने के बाद एकदम से नष्ट भी नहीं होती, वहीं गाय के गोबर से बनी ऐसी राखियां किसी भी प्रकार से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाती क्योंकि इन राखियों का काम खत्म होने के बाद इन्हें आसानी से मिट्टी में दबाया जा सकता है, जिससे जमीन की उर्वरकता बढ़ेगी। इन राखियों को खरीदने में कई संस्थाएं भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। (लेखक–योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आज का इतिहास 19 अगस्त

1600 अकबर ने अहमदनगर पर कब्जा किया था.

1666 शिवाजी आगरा से औरंगजेब के शिकंजे से निकलने में सफल रहे.

1692 मेसाचूसेटस में छह व्यक्तियों को काला जादू के लिए मौत के घाट उतार दिया गया.

1796 फ्रांस और स्पेन ने ब्रिटेन के खिलाफ गठबंधन किया.

1914 ब्रिटिश नौसेना ने जर्मन युद्धपोत वेस्टफालेन को तारपीडो से भारी नुकसान पहुंचाया.

1940 द्वितीय विश्व युद्ध में इटली ने ब्रिटिश सोमालीलैंड पर कब्जा किया.

1966 पूर्वी तुर्की में भूकंप से पांच सौ से अधिक लोग मारे गए.

1971 दक्षिण वियतनाम में एल्गुएन वान थियु राष्ट्रपति चुने गए.

1986 मध्य तेहरान में कार बम विस्फोट से 20 व्यक्ति मारे गए.

1988 इराक-ईरान युद्ध बंद होने के बाद राष्ट्र संघ ने दोनों की सीमाओं पर सैकड़ों प्रेक्षक तैनात किए.

1991 अमरीका और ब्रिटेन ने सोवियत संघ को सहायता रोक दी.

1992 के.आर. नारायण उपराष्ट्रपति चुने गये.

1993 प्रसिद्ध अभिनेता व निर्देशक उत्पल दत्त का मुंबई में निधन.

2002 राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली.

2004 डोपिंग के आरोप में भारोत्तोलक प्रतिमा कुमारी व साना माचा चानू ओलंपिक से निलंबित.

शब्द पहेली - 8102

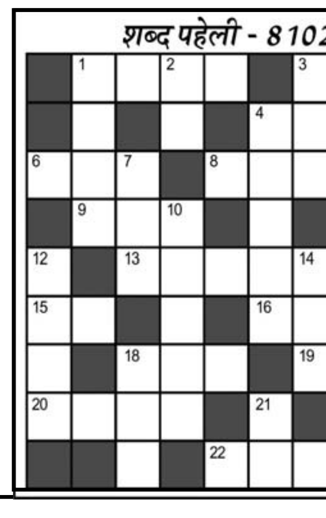

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8101 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर एमसीजी में होगा मुकाबला

मेलबर्न (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई (सीए) ने कहा है कि साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के अवसर पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड के साथ एक टेस्ट मैच का आयोजन किया जाएगा। क्रिकेट का पहला टेस्ट मैच भी मार्च 1877 को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ही एमसीजी मैदान पर ही खेला गया था। में तब ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 45 रनों से जीता था। इन दोनों टीमों के बीच 1977 में टेस्ट क्रिकेट के 100 साल पूरे हुए थे और उस समय भी एक मैच हुआ था। इसमें भी ऑस्ट्रेलिया ने इतने ही अंतर से जीत दर्ज की थी। सीए ने 2024-25 से 2030-31 तक के अगले सात सत्र के लिए भी आयोजन स्थलों पर फैसला किया।

निशानेबाजी महासंघ की चयन नीति पर कोचजसपाल राणाने सवाल उठाये

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज निशानेबाजी कोच जसपाल राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की चयन नीतियों की आलोचना की है। राणा ने कहा कि अंतिम समय में चयन में बदलाव करने की महासंघ की नीति से पहले भी कई प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर यही चलता रहा तो आगे भी होगा।

राणा ने कहा, 'महासंघ की चयन नीति हर छह महीने में बदलती है। मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर चिन्ता भी जतायी है। अब उन्हें इस मामले में फैसला लेना है। अगर सभी कुछ ठीक रहा तो निशानेबाजों के प्रदर्शन में फर्क नजर आने लगेगा।

उन्होंने कहा कि गलत नीतियों के चलते ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय गुमनामी में चले गये। आज कोई इनके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। इसके अलावा पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे निशानेबाज अर्जुन बाबुता के बारे में भी किसी के पास बात करने का समय नहीं है।

महासंघ ने रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक में भी पदक नहीं जीतने के बाद 2021 में अपने चयन मानदंडों में बदलाव करते हुए कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को मिलने वाले बोनस अंकों में भारी कटौती की और लंबे अंतराल के बाद टीम के चयन के लिए ट्रायल्स की शुरुआत की। राणा ने कहा कि वह बदलाव के विरोधी नहीं हैं पर ओलंपिक के लिए निरंतरता बनाए रखना ज्यादा जरूरी होता है।

उन्होंने कहा, 'अभी हमारे पास ओलंपिक और विश्व कप के पदक विजेताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई तंत्र नहीं है। हम ओलंपिक पदक विजेताओं को लंबे समय तक नहीं देखते क्योंकि हमारे पास उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई प्रणाली नहीं है।

आईसीसी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम घोषित किया,16 टीमें भाग लेंगी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले साल मलेशिया में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस टूर्नामेंट में भारत सहित दुनिया भर की 16 टीमें भाग लेंगी। इस दौरान 41 मैच खेले जाएंगे। ये टूर्नामेंट 18 जनवरी से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला फरवरी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से पहले 13 से 16 जनवरी तक 16 अभ्यास मैच भी होंगे। यह महिला अंडर-19 विश्व कप का दूसरा संस्करण है। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 19 जनवरी को वेस्टइंडीज से खेलेगी।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप

ग्रुप ए - भारत (ए1), वेस्टइंडीज (ए2), श्रीलंका (ए3) और मलेशिया (ए4), ग्रुप बी - इंग्लैंड (बी1), पाकिस्तान (बी2), आयरलैंड (बी3) और यूएसए (बी4), ग्रुप सी - न्यूजीलैंड (सी1), दक्षिण अफ्रीका (सी2), अफ्रीका के क्वालीफायर (सी3) और समोआ (सी4), ग्रुप डी - ऑस्ट्रेलिया (डी1), बांग्लादेश (डी2), एशिया के क्वालीफायर (डी3) और स्कॉटलैंड (डी4)।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम

18 जनवरीः ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल
18 जनवरीः इंग्लैंड बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर
18 जनवरीः समोआ बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
18 जनवरीः बांग्लादेश बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल
18 जनवरीः पाकिस्तान बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर
18 जनवरीः न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
19 जनवरीः श्रीलंका बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल
19 जनवरीः भारत बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल
20 जनवरीः ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, यूकेएम वाईएसडी ओवल
20जनवरीः आयरलैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर
20 जनवरीः न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
20 जनवरीः स्कॉटलैंड बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल
20 जनवरीः इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान, जेसीए ओवल, जोहोर
20 जनवरीः दक्षिण अफ्रीका बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
21 जनवरीः वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल
21 जनवरीः भारत बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल
22 जनवरीः बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल
22 जनवरीः इंग्लैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर
22 जनवरीः न्यूज़ीलैंड बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
22 जनवरीः ऑस्ट्रेलिया बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल
22 जनवरीः पाकिस्तान बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर
22 जनवरीः दक्षिण अफ्रीका बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
23 जनवरीः मलेशिया बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल
23 जनवरीः भारत बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल
24 जनवरीः बी4 बनाम सी4, जेसीए ओवल, जोहोर
24 जनवरीः ए4 बनाम डी4, जेसीए ओवल, जोहोर
25 जनवरीः सुपर सिक्स - बी2 बनाम सी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल
25 जनवरीः सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
25 जनवरीः सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल
25 जनवरीः सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
26 जनवरीः सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी3, बेयूमास ओवल
26 जनवरीः सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी2, बेयूमास ओवल
27 जनवरीः सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
28 जनवरीः सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी2, बेयूमास ओवल
28 जनवरीः सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड
28 जनवरीः सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी3, बेयूमास ओवल
29 जनवरीः सुपर सिक्स - सी2 बनाम बी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल
29 जनवरीः सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल
31 जनवरीः सेमीफाइनल 1, बेयूमास ओवल
31 जनवरीः सेमीफाइनल 2, बेयूमास ओवल
2 फरवरीः फाइनल, बेयूमास ओवल

विकेट मिलने पर गेंदबाज ने अजीब अंदाज में जश्न मनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेट में विकेट मिलने के बाद खिलाड़ी अपने अलग-अलग अंदाज में जश्न मनाते हैं। ये सामान्य बात है पर जब ये जश्न सबसे अलग हो तो सभी का ध्यान जाता है। ऐसा ही एक विडियो सामने आया है। इसमें एक मैच के दौरान गेंदबाज ने विकेट मिलने पर अजब तरीके से अपनी खुशी जाहिर की।ये गेंदबाज पहले तो जमीन पर पांव मोड़कर बैठ गया और फिर एक जोरदार सैल्यूट किया। विकेट लेने की खुशी इस गेंदबाज के ऊपर पर साफ दिख रही थी और जोश ऐसा कि वहां उपस्थित हर व्यक्ति हैरान हो गया। इस गेंदबाज ने विकेट लेने के बाद ना केवल सैल्यूट किया बल्कि इसके बाद अपने पैर से जूता उतारा और इसे कान पर लगाकर फोन पर बात करने की नकल करने लगा।

जन हितैषी

पृष्ठ :3 दिनांकः 19-08-2024 सोमवार अहमदाबाद

वैश्विक रुख और विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चालः विश्लेषक

- एफआईआई के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी हो चुके हैं, ऐसे में इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह बात विशेषज्ञों ने कही है। इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर निवेशकों की नजर होगी। बाजार के ?विश्लेषकों ने कहा ?कि चूंकि कंपनियों के वित्तीय परिणाम आ चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह, वृहद आर्थिक मोर्चों पर ऐसी कोई महत्वपूर्ण गतिविधियां नहीं हैं, जिससे निवेशक संकेत लें। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसमें जापान में मुद्रास्फीति आंकड़े और अमेरिकी एफओएमसी बैठक का ब्योरा महत्वपूर्ण हैं, जिसपर निवेशकों की नजरें होंगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता की स्थिति बाजार के लिए जोखिम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कारोबारियों की विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर होगी।अमेरिका में मंदी की आशंका कम होने से शुक्रवार को वैश्विक बाजार में तेजी आई। अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और खुदरा बिक्री के मजबूत आंकड़े जैसे सकारात्मक आंकड़ों ने मंदी की आशंकाओं को दूर किया है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने की शुरुआत में नीतिगत दर में कटौती की संभावना से भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में एक बड़ी तेजी आई। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि बाजार का रुख एफओएमसी बैठक के ब्योरे, अमेरिका में घरों की बिक्री के आंकड़ों से तय होगा। इस सप्ताह सभी की नजरें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे पर होंगी। कुल मिलाकर हम उम्मीद करते हैं कि बाजार मजबूत होगा और वैश्विक गतिविधियों से संकेत लेगा।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक 21,201 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में अब तक कुल 21,101 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसकी वजह येन मुद्रा में कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश का बंद होना, अमेरिका में मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आर्थिक वृद्धि निरंतर बने रहने, सुधार जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद से बेहतर रहने और राजनीतिक स्तर पर स्थिरता की उम्मीद में इन दो महीनों में निवेश किये। इससे पहले एफपीआई ने लोकसभा चुनावों के दौरान मई में 25,586 करोड़ रुपये और मॉरीशस के साथ भारत के कर समझौते में बदलाव तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि पर चिंताओं के बीच अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 1-17 अगस्त तक शेयर बाजार से 21,201 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी शेयर में 14,364 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगस्त में एफपीआई की निकासी का मुख्य कारण वैश्विक और घरेलू कारक हैं। बाजार के जानकार कहते हैं ?कि वैश्विक स्तर पर, येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने, वैश्विक मंदी की आशंका, धीमी आर्थिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता और जोखिम से बचने का रुख बना है। बैंक ऑफ जापान ने मुख्य ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके बाद में येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से पूंजी निकासी शुरू हुई। घरेलू स्तर पर जून और जुलाई में शुद्ध लिवाल होने के बाद कुछ एफपीआई ने पिछली तिमाहियों में मजबूत तेजी के बाद मुनाफा वसूली का विकल्प चुना होगा। इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणाम मिले-जुले होने तथा अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन ने भारतीय शेयर बाजार को कम आकर्षक बना दिया है।

एक माह बाद बांग्लादेश में खुले शैक्षिक संस्थान

-बच्चे यूनिफार्म में आए नजर, शहरों की सड़कों पर दिखे वाहन

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में करीब एक माह बाद विश्वविद्यालयों, माध्यमिक स्कूलों और कॉलेजों समेत अन्य सभी शिक्षण संस्थानों को रविवार के दिन खोल दिया गया। छात्रों के विरोध प्रदर्शन और सरकार के तख्ता पलट के कारण इन शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया था। एक माह से ज्यादा समय से बंद शिक्षण संस्थानों के खुलने से विद्यार्थी एक बार फिर इस तरफ रुख कर रहे हैं।

गौरतलब है कि छात्रों के विरोध प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को न सिर्फ अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था बल्कि जान बचाकर पड़ोसी देश भारत में शरण भी लेना पड़ी। यह छात्र आंदोलन नौकरियों में आरक्षण से संबंधित प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर किया गया था। आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने पर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश में 17 जुलाई को शिक्षण संस्थान अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होते देख दोबारा शिक्षण संस्थान खोले गए हैं।

इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अपने अधीनस्थ सभी सभी संस्थानों को खोलने के निर्देश जारी किए थे। इस आदेश के साथ ही रविवार को सभी शिक्षण संस्थानों को खोलने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। मीडिया के जरिये बताया गया कि उप सचिव मोसम्मात रहीमा अख्तर ने 15 अगस्त को अधिसूचना जारी करते हुए कहा था कि मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के निर्देशों के उपरांत 18 अगस्त से सभी शैक्षिक संस्थानों में शिक्षण गतिविधियों को पुनः प्रारंभ करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया है। इसके बाद रविवार को स्कूली बच्चे अपनी यूनिफार्म में स्कूलों की ओर जाते देखे गए और अभिभावकों ने उनका स्कूल जाने में साथ दिया। शैक्षिक संस्थानों के खुल जाने से ढाका शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी देखी गई है। यहां बताते चलें कि बांग्लादेश में साप्ताहिक कार्यावधि रविवार से बृहस्पतिवार तक की होती है।

हसीना को सत्ता से हटाया....अब राजनैतिक पार्टी बनने में जुटे छात्र नेता

दोनों प्रमुख पार्टियों के लिए खतरे की घंटी

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में 15 सालों से चल रही शेख हसीना सरकार को हटाने वाले छात्र आंदोलन के नेता अपनी राजनीतिक पार्टी गठित करने वाले हैं। छात्र प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की दो प्रमुख पार्टियों की जल्द चुनाव कराने की अपील को ठुकरा दिया है। हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले चार प्रदर्शनकारी नेताओं ने एक इंटरव्यू में बताया है। छात्र आंदोलन के नेताओं का लक्ष्य पिछले 15 वर्षों की स्थिति को दोबारा आने से रोकना है, जिसमें हसीना ने देश के 17 करोड़ लोगों पर कठोरता से शासन किया था। छात्र आंदोलन के नेता सुधारों को लागू करने के लिए अपनी नई पार्टी बनाने पर विचार कर रहे हैं।

जून के आखिर में सरकारी नौकरियों में विवादित कोटा के खिलाफ छात्रों ने आंदोलन शुरू किया था। इसमें अधिकांश की उम्र मुश्किल से 20-30 साल के बीच थी। कुछ ही हफ्तों में आंदोलन इतना बड़ा हो गया कि 15 सालों से देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर भागना पड़ा। आंदोलन को जेन जी या जूमर्स क्रांति कहा गया। यह उस पीढ़ी के लिए कहा जाता है जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। शेख हसीना के इस्तीफा देकर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है, जो देश को चला रही है।

आंदोलन के प्रमुख लोगों में शामिल महफूज आलम ने कहा कि छात्र नेता देश में दो पार्टी की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक पार्टी बनाने पर चर्चा कर रहे है। लॉ के छात्र 26 वर्षीय आलम ने बताया कि करीब एक महीने में इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फैसला लेने से पहले नेता आम मतदाताओं से व्यापक रूप से परामर्श करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, लोग वास्तव में दोनों राजनीतिक दलों से थक चुके हैं। उन्हें हम पर भरोसा है। हसीना के खिलाफ आंदोलन में समन्वयक की भूमिका निभाने वाले तहमीद चौधरी ने कहा कि बहुत अधिक संभावना है कि वे एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पार्टी धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आधारित होगी। हालांकि, वे अभी इस पर काम कर रहे हैं। यूनुस की कैबिनेट में शामिल एक प्रमुख छात्र आंदोलन नेता 26 वर्षीय नाहिद इस्लाम ने कहा, आंदोलन की भावना एक नया बांग्लादेश बनाने की थी, जहां कोई फासीवादी या तानाशाह वापस न आ सके। यह सुनिश्चित करने के लिए हमें संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है, जिसमें निश्चत रूप से कुछ समय लगेगा।

यूके में अलगाव वादी सिखों ने स्वतंत्रता दिवस पर मनाया काला दिवस

- तिरंगे का किया अपमान, बोले- मोदी सरकार कर रही अत्याचार

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन भारतीय दूतावास के सामने 78वें स्वतंत्रता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाते हुए सिखों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में इंग्लैंड के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। 19 मार्च को लंदन में भारतीय दूतावास पर हुए हमले और तिरंगे के अपमान के बाद किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बड़ी संख्या में यूके पुलिस को भारतीय दूतावास की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। इसके बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने फिर से खालिस्तानी झंडे लहराए और तिरंगे का अपमान किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दूतावास के पास किसी भी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं दी गई। विरोध प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार अल्पसंख्यकों को दबाने के लिए लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि काले कानूनों के तहत सिख युवाओं को गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ की जेलों में बंद किया गया है।

वक्ताओं ने पंजाब की आज़ादी और खालिस्तान की स्थापना तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भारत में न केवल सिख, बल्कि कश्मीरी, मुस्लिम, और दलित समुदाय भी सरकार की हिंदूवादी नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मोदी सरकार उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उजागर किया जाएगा। वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि मानवाधिकारों का हनन करने वाले देश भारत का बहिष्कार किया जाए और उसे आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए। भारतीय दूतावास के सामने बड़ी संख्या में खालिस्तानी झंडे लहराए गए। इस विरोध प्रदर्शन में सिख फेडरेशन यूके के वरिष्ठ नेता भाई कुलवंत सिंह मुथड़ा, भाई बलविंदर सिंह ढिल्लों, एफएसओ के कोऑर्डिनेटर भाई जोगा सिंह, लवसिंदर सिंह डल्लेवाल, अमरीक सिंह सहोता, भाई रघबीर सिंह, भाई मनप्रीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह, भाई परमजीत सिंह पम्मा, भाई रणधीर सिंह, जसबीर सिंह घुम्मन, केहर सिंह बर्मिंघम और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह सहित कई सिख नेता शामिल थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान भारत विरोधी नारे भी लगाए गए।

भारत को 2030 तक एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगीः आईसीएसआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कंपनी सचिवों के शीर्ष निकाय आईसीएसआई का कहना है ?कि तेज आर्थिक वृद्धि और बढ़ते हुए कंपनी संचालन के दौरान भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की जरूरत होगी। वर्तमान में 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी। विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में जारी रिपोर्ट में कहा गया था ?कि वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी। मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

अभाविप कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी का पुतला फूंका,

रांची(ईएमएस)।अखिल भारतीय विद्यार्थी रांची के कार्यकर्ताओं ने बलात्कारियों को संरक्षण देने के विरोध में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ से विरोध प्रदर्शन किया है। पश्चिम बंगाल के एक अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या की पीड़िता को न्याय दिलाने हेतु एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा बंगाल के मुख्यमंत्री कापुतला दहन किया गया।सर्कुलर रोड चौक पर अभाविप कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी का पुतला दहन किया।

भारत को 2030 तक 14 .8 करोड़ अतिरिक्त रोज गार पैदा करने की जरूरतः गोपीनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है। यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी। हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां के अवसर देने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा। गोपीनाथ ने यह भी कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि वह अपने वर्कफोर्स के स्किल विकास कर सके।

कारखानों के ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 से कमः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कारखानों में काम करने वाले ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 रुपये प्रतिमाह या उससे कम है। एक रिपोर्ट में कहा गया है, इससे पता चलता है कि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से झेल रहा है तथा आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रौद्योगिकी से जुड़े एक श्रम प्रधान भर्ती मंच ने रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक श्रम प्रधान नौकरियां 20,000 रुपये प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। यह ???दिखाता है कि कई श्रमिक न्यूनतम मजदूरी के करीब कमाते हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत श्रम प्रधान नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपये प्रति माह है। इसमें कहा गया है कि इस श्रेणी में आने वाले श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा में मामूली सुधार का अनुभव होता है, लेकिन वे आरामदायक जीवन स्तर प्राप्त करने से बहुत दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस सीमा में आय से आवश्यकताएं तो पूरी हो जाती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है,

इजरायली के हमले में कमांडर कसाब हुआ ढेर, हिजबुल्लाह ने बरसाए रॉकेट

यरूशलेम(ईएमएस)। इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन हमलों में लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के अल-हज रदवान फोर्स के एक टॉप कमांडर को ढेर कर दिया। हिजबुल्ला ने कसाब की मौत की पुष्टि की है। हालांकि उसके पद या रैंक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इजरायली सेना ने ड्रोन हमले की फुटेज जारी की है और दावा किया कि इसमें हुसैन इब्राहिम कसाब को मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कसाब उस वक्त मोटरसाइकिल से जा रहा था। वह लेबनान के टायर शहर से गुजर रहा था, तभी इजरायल ने ड्रोन अटैक में उसे मार गिराया। इजरायली सेना का कहना है कि 7 अक्टूबर से अब तक हिजबुल्ला के 412 आतंकी मारे जा चुके हैं। कसाब भी उन्हीं मे से एक है।

गुस्साए हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर 55 रॉकेट दागे। यह हमला इजरायली हवाई हमले के जवाब में किया गया। इजरायली हमले में दक्षिणी लेबनान के नबाटिया शहर के पास 10 लोगों की मौत हो गई थी। इजरायली सेना का कहना है कि हिजबुल्ला के कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे जबकि अन्य ने कई जगहों पर आग लगा दी।उधर इजरायली सेना ने बताया है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है। ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 ''आतंकवादी ठिकानों'' पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं।

स्पेन की होटल में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, आठ आरोपी गिरफ्तार

- किशोरी को नग्न करने, थूकने और अपमानित करने का बनाया वीडियो

मैगलुफ़,(ईएमएस)। स्पेन में एक ब्रिटिश किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। इस मामले में आठ लोगों पर आरोप लगे हैं। घटना पिछले साल हुई थी और इसके बाद बड़े पैमाने पर जांच शुरू की गई। आरोपियों में सात फ्रांसीसी और एक स्विस नागरिक हैं। इनमें से पांच पर दुष्कर्म और तीन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। आरोपियों में से कुछ ने अपने फ़ोन पर 30 मिनट के हमले का वीडियो फिल्माया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

संदिग्धों पर दुष्कर्म के अलावा अन्य आरोप भी लगे हैं। इनमें लड़की को नग्न करने, उसके ऊपर थूकने, उसका अपमान करने और उसे कोड़े मारने जैसे आरोप हैं। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक आरोपियों ने अपने फ़ोन से दुष्कर्म के कई वीडियो फिल्माए और सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। सभी आठ संदिग्धों को मेजरका या स्पेन की मुख्य भूमि की जेल में रखा गया है और मुकदमे तक वे वहीं रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संदिग्धों ने होटल के गलियारे में अर्ध-चेतन लड़की पर यौन हमला किया और अन्य लोगों को मुफ़्त सेक्स के लिए आमंत्रित किया। पुलिस को घटना की सूचना उस समय मिली जब एक होटल कर्मचारी ने लड़की को होटल की लॉबी में रोते हुए देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सात संदिग्धों को दुष्कर्म के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दो अन्य संदिग्धों को बाद में फ्रांस से प्रत्यर्पित किया गया। इनमें से पहले संदिग्ध को तब पकड़ा गया जब उसने ब्रिटिश किशोरी के चोरी मोबाइल फोन का जवाब देने के लिए धोखा दिया।

स्पेनिश पुलिस ने बताया था कि सभी संदिग्ध एक ही मित्र समूह का हिस्सा नहीं थे। कुछ संदिग्ध इसमें प्रोत्साहित होकर शामिल हुए थे। रिपोर्ट्स में कहा गया कि तीन संदिग्धों ने ब्रिटिश किशोरी से कुछ घंटे पहले पार्टी के दौरान मुलाकात की थी। इस मामले की गहन जांच की जा रही है। कानूनी कार्रवाई के तहत उनकी ज़मानत की संभावना नहीं है और वे मुकदमे तक जेल में ही रहेंगे।

अब यूएई में दिल खोलकर करे शॉपिग और पेंमेट यूपीआई से करे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार द्वारा यूपीआई को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। अब भारतीय नागरिक यूपीआई के द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रुपये में भी भुगतान कर सकते हैं। दरअसल यूएई में हाइपरलोकल मार्केट चलाने वाली बड़ी कंपनी लुलु ने देश में मौजूद अपने सभी स्टोर में यूपीआई से भुगतान स्वीकार करने का विकल्प ग्राहकों को दिया है।

भारतीय नागरिक भारत की तरह ही यूपीआई का इस्तेमाल कर आसानी से भुगतानकरसकते हैं। भुगतान की गई राशि भारत में मौजूद उनके बैंक अकाउंट से कटेगी। इसके बाद आप यूएई में यूपीआई के जरिए आसानी से रुपये में शॉपिंग कर सकते हैं। लुलु के अलावा यूएई के कई बड़े और छोटे मर्चेंट्स की ओर से यूपीआई से भुगतान स्वीकार किया जा रहा है। यूएई में भारतीय नागरिक और एनआरआई प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन के माध्यम से क्यूआर कोड के जरिए आसानी से भुगतान कर सकते हैं।

यूपीआई का संचालन करने वाली इकाई नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के मुताबिक, 2024 में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) में भारतीय यात्रियों का आंकड़ा 98 लाख पहुंचने का अनुमान है। सिर्फ यूएई में 53 लाख के करीब भारतीयों के पहुंचने की संभावना है। भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई इंटरनेशनल मिलकर यूपीआई को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। फिलहाल भारत के बाहर नेपाल, श्रीलंका, मॉरीशस, यूएई, सिंगापुर, फ्रांस और भूटान में यूपीआई से भुगतान किया जा सकता है। यूपीआई से डिजिटल भुगतान आसान होने के कारण इसके जरिए होने वाले लेनदेन की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा है।

डिबेट में हैरिस को हराने हिंदू-अमेरिकी नेता गबार्ड की शरण में ट्रंप

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बहस होने वाली है। ट्रंप ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने डिबेट भाषण में मदद के लिए एक हिंदू महिला नेता को चुना है। ट्रंप ने पूर्व डेमोक्रेटिक कांग्रेस और हिंदू-अमेरिकी नेता तुलसी गबार्ड से मदद मांग रहे है।

ट्रंप और भारतीय मूल की नेता कमला हैरिस 10 सितंबर को टीवी डिबेट में आमने-सामने होंगी। तुलसी ने 2020 के राष्ट्रपति पद की दौड़ के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और खुद को ट्रंप के समर्थकों के बीच एक सेलिब्रिटी के रूप में फिर से स्थापित किया। लंबे समय से ट्रंप के साथ उनकी दोस्ती रही है। कुछ समय के लिए उनके अफेयर की भी अटकलें थीं। तुलसी ने एक यादगार डिबेट में हैरिस को परास्त कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने ईमेल में तुलसी गबार्ड की भागीदारी की पुष्टि की है।

लेविट ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति राजनीतिक इतिहास में सबसे अच्छे बहस करने वालों में से एक साबित हुए हैं। जो बाइडेन को उन्होंने पहले ही राउंड में हरा दिया। उन्हें पारंपरिक बहस की तैयारी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वे तुलसी गबार्ड जैसे सम्मानित नीति सलाहकारों और प्रभावी संचारकों से मिलना जारी रखने वाले है। ट्रंप कहते हैं कि उन्हें बहस के लिए तैयारी करने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति ने इस साल बहस के लिए अभ्यास करने में 2016 या 2020 की तुलना में अधिक समय बिताया है।

वह अभी भी पारंपरिक बहस की तैयारी नहीं करते हैं। 27 जून को हुई बहस से पहले किसी ने भी उनकी भूमिका नहीं निभाई। जून में बाइडेन के साथ हुई बहस से पहले ट्रंप ने सलाहकारों के साथ समय के लिए या अनौपचारिक रूप से विमान यात्राओं पर बैठकर संभावित विषयों और प्रश्नों पर चर्चा की।

तुलसी ने आरोप लगाए थे कि हैरिस जब सैन फ्रांसिस्को में एक जिला अटॉर्नी थीं तब मारिजुआना उल्लंघन के लिए 1,500 से अधिक लोगों को जेल में डाल दिया और फिर जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी मारिजुआना का धूम्रपान किया है, तब वे इस पर हंस पड़ीं। उन्होंने कमला हैरिस पर उन सबूतों को भी खत्म करने का भी आरोप लगाया, जो एक निर्दोष व्यक्ति को मौत की सजा से बाहर निकाल सकते थे।

ट्रंप ने ओलंपिक में जेंडर विवाद को दी हवा

-गोल्ड मेडल जीतने वाली दो बॉक्सरों की जमकर की आलोचना

वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ओलंपिक के जेंडर विवाद को हवा दी है। हाल ही में संपन्न हुए पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली दो बॉक्सर की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा कि पुरुषों को महिलाओं के खेल से दूर रखना चाहिए। पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप ने पुरुषों को महिलाओं के खेल से दूर रखने का वादा किया। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने ओलंपिक में इस जेंडर विवाद का मसला उठाया है। वो लगातार अपनी रैलियों में इसका जिक्र कर रहे हैं। उन्हें एलोन मस्क के साथ-साथ कई और हस्तियों का भी समर्थन प्राप्त है। हालांकि, वह इस मुद्दे पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसकी एलजीबीटीक्यू प्लस समूह आलोचना भी कर रहे हैं।

दरअसल, पेरिस ओलंपिक में बॉक्सिंग के एक मैच में इटली की एंजेला कैरिनी और अल्जीरिया की इमान खलीफ के बीच मैच चल रहा था। एंजेला सिर्फ 46 सेकेंड में ही मैच से हट गईं और इस मुकाबले में इमान को जीत दी गई। बाद में एंजेला ने दावा किया कि उन्होंने इतना जोरदार मुक्का कभी नहीं खाया। इसका वीडियो शेयर करते हुए ट्रंप ने तब भी सवाल खड़े किए थे। बता दें कि हाल ही में हुए पेरिस ओलंपिक में दो महिला एथलीटों को लेकर सवाल उठे हैं। इनमें एक हैं अल्जीरिया की इमान खलीफ तो दूसरी बॉक्सर हैं ताइवान की ली यू-टिंग। दोनों पर अपने जेंडर छिपाने का आरोप लगा है। ट्रंप लगातार इस पर सवाल उठा रहे हैं और उनका कहना है कि वे पुरुष थे, जबकि दोनों ने महिलाओं के कैटिगरी में बॉक्सिंग की। ट्रंप का कहना है कि यह महिलाओं के लिए खतरनाक है।

दीवाली में हवाई किराया होगा अपने शीर्ष पर, 90 दिन पहले बुकिंग पर भी किराया दोगुना

मुंबई (ईएमएस)। दीवाली के दौरान हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। दीवाली के हफ्ते (30 अक्टूबर से 5 नवंबर) में घरेलू प्रमुख हवाई मार्गों पर हवाई किराये में पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यात्रा वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल दीवाली के हफ्ते में मुंबई से हैदराबाद मार्ग पर एक ओर का औसत किराया 5,162 रुपए है, जो पिछले साल दीवाली (10 से 16 नवंबर, 2023) की तुलना में 20.9 प्रतिशत अधिक है। यह किराया उन टिकटों का है जो 90 दिन पहले बुक किए थे। इस मार्ग पर उड़ानों की कमी भी एक बड़ी समस्या बन गई है। पिछले साल दीवाली के हफ्ते में मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर लगभग 266 उड़ानें हुई थीं लेकिन इस साल विमानन कंपनियों ने 3 प्रतिशत कम उड़ानें चलाई हैं।

एक वरिष्ठ विमानन अधिकारी ने बताया कि इंडिगो के ए320नियो विमानों के प्रैट ऐंड व्हिटनी इंजन की समस्या के कारण कंपनी के 390 में से 70 विमान ग्राउंडेड हैं। पिछले साल नवंबर में इस विमानन कंपनी ने मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर लगभग 152 उड़ानें चलाई थीं, जबकि इस साल यह संख्या घटाकर 140 कर दी गई है, जिससे किराये में वृद्धि हो रही है। आकाश एयर इस साल नवंबर में इस मार्ग पर कोई उड़ान नहीं भरेगी। पिछले साल दीवाली के हफ्ते में आकाश ने मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर 14 उड़ानें संचालित की थीं लेकिन नियामकीय समस्याओं के कारण फरवरी के बाद से कोई नया विमान नहीं मिला है। मुंबई-जयपुर मार्ग पर इस साल नवंबर के लिए साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 154 है, जो पिछले साल नवंबर की तुलना में 6.7 प्रतिशत कम है। इसके चलते इस मार्ग पर इस साल दीवाली के हफ्ते के लिए औसत हवाई किराया 16.1 प्रतिशत बढ़कर 6,458 रुपए हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार दीवाली वाले हफ्ते में दिल्ली-चेन्नई मार्ग पर हवाई सफर महंगा हो सकता है। इस मार्ग पर एक ओर का औसत किराया7,618 रुपए है, जो पिछली दीवाली की तुलना में 25.3 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल दीवाली के दौरान इस मार्ग पर करीब 262 उड़ानें थीं। एक विमानन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल विमानन कंपनियां अपनी सेवाओं में सिर्फ 3 प्रतिशत की वृद्धि करनेजा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टिकट की कीमत तय करने की प्रणाली में बदलाव किया गया है। अधिकारी ने बताया, उड़ानों की संख्या में मामूली वृद्धि के कारण विमानन कंपनियां जानती हैं कि दीवाली जैसे व्यस्त सीजन में मांग अधिक होगी। इसलिए 90 दिन पहले बुक किए गए टिकट भी महंगे होते हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि इसमें जोखिम शामिल है। यदि यात्रियों को टिकट महंगा लगता है और वे ट्रेन जैसे सस्ते विकल्प चुन लेते हैं, तब उड़ान की तारीख नजदीक आने तक भी कई टिकट बिना बिके रह सकते हैं। ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों को सीटें भरने के लिए टिकटों के दाम कम करने पड़ सकते हैं, या फिर सीटें खाली रह सकती हैं।

पाकिस्तान में बारिश और बाल विवाह में तेजी.....जानिए यह अदभुत कनेक्शन

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में मानसून की भारी बारिश के साथ ही देश में बच्चियों की शादी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पैसे की किल्लत से जूझ रहे पाकिस्तानी माता-पिता पैसों के बदले में अपनी कम उम्र की लड़कियों की शादी का सौदा कर रहे हैं। 14 वर्षीय शमीला और उसकी 13 साल की बहन अमीना के माता-पिता ने परिवार का खर्च चलाने के लिए दोनों की शादी कर दी। उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी स्थिति सुधरेगी। पाकिस्तान में बाल विवाह के बढ़ते मामलों ने अधिकार संगठनों की चिंता बढ़ा दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में बीते सालों में बाल विवाह के मामलों में कमी आ रही थी, लेकिन 2022 की विनाशकारी बाढ़ के बाद से फिर संख्या बढ़ी है। देश में खेती के लिए महत्वपूर्ण समझी जाने वाली मानसून की बारिश मौसम जलवायु परिवर्तन के चलते तेज हो गई है, जिससे बाढ़ और फसलों को नुकसान हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध के खान मोहम्मद मल्लाह जैसे गांवों में बाल विवाह के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ये इलाका 2022 की बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। यहां परिवार पैसे के बदले अपनी कम उम्र की बच्चियों की शादी कर रहे हैं। शमीला की सास बीबी सचल ने बताया कि उन्होंने उसके लिए दो लाख पाकिस्तानी रुपये का भुगतान किया। यह इस इलाके के लिए एक बड़ी रकम है। यहां परिवार करीब 80 रुपये प्रतिदिन पर गुजारा कर रहे हैं। शमीला जैसी कई लड़कियों ने शादी के बाद बेहतर जीवन की उम्मीद की थी, लेकिन उन्हें उसी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। 18 साल से कम उम्र में शादी करने वाली लड़कियों की संख्या के मामले में पाकिस्तान छठें स्थान पर है। पाकिस्तान में विवाह के लिए कानूनी उम्र अलग-अलग क्षेत्रों में 16 से 18 के बीच है।

अरे बाप रे बाप ....15 बार हुई गर्भवती, पैदा कर दिए 44 बच्चे, मम्मा युगांडा के नाम से मशहूर है मरियम

कंपाला (ईएमएस)। किसी भी शादीशुदा महिला के लिए मां बनना उसके जीवन का सबसे सुखद अहसास होता है। बेतहाशा दर्द सहकर महिला ने अपने बच्चे को जन्म देती है। लेकिन आप युगांडा की रहने वाली एक महिला के बारे में जानकार आश्चर्य में पड़ने वाले है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिला ने एक-दो नहीं, बल्कि 44 बच्चे पैदा किए, लेकिन प्रेग्नेंट सिर्फ 15 बार ही हुई। इतना ही नहीं, इस महिला को उसका पति भी छोड़कर जा चुका है। अब 43 साल की ये महिला अकेली रहती है और अपने बच्चों को पाल पोस रही है। युगांडा की रहने वाली इस महिला का नाम मरियम नाबांतांजी है, उस मम्मा युगांडा के नाम से भी जाना जाता है।

मरियम का जन्म 25 दिसम्बर 1980 को हुआ था। बताया जाता है कि जन्म देने के 3 दिन बाद ही उसकी मां मरियज और उसके 5 भाइयों को छोड़कर चली गई। इसके बाद मरियम के पिता ने दूसरी शादी कर ली। सौतेली मां ने खाने में शीशा मिलाकर उसके भाइयों को खिला दिया, जिससे पांचों की मौत हो गई। चूकि मरियम उस दौरान रिश्तेदार के घर गई थी, वहां बच गई। लेकिन मरियम की किस्मत इतनी भी अच्छी नहीं थी। मरियम जब 12 साल की हुई, तब उसके परिवार वालों ने शादी के नाम पर मरियम को बेच दिया। इस तरह 13 की उम्र में मरियम ने पहली बार बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद मरियम ने 36 साल की उम्र तक कुल 44 बच्चों को जन्म दिया। लेकिन उसमें 6 बच्चों की मौत हो गई।इस तरह मरियम के कुल 38 बच्चे जिंदा बचे हैं, जिसमें 20 लड़के और 18 लड़कियां हैं।

मम्मा युगांडा के नाम से दुनियाभर में प्रख्यात मरियम के सबसे बड़ी संतान की उम्र 31 साल है, तब सबसे छोटे की उम्र 6 साल है। मरियम 40 की उम्र तक प्रेग्नेंट होती रही और 44 बच्चों का जन्म दिया। लेकिन कुछ साल पहले मरियम का पति घर से सारा पैसा लेकर भाग गया, अब पूरे परिवार की जिम्मेदारी मरियम पर ही आ गई। बता दें कि मरियम अपनी जिंदगी में सिर्फ 15 बार गभर्वती हुईं, इतने में ही 44 बच्चों को जन्म दिया। मरियम ने 5 बार 4-4 बच्चों को जन्म दिया। इसके बाद 5 बार 3-3 बच्चे पैदा किए, तब चार बार जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। वहीं, एक बार सिंगल बच्चा भी पैदा हुआ। मरियम को न सिर्फ मम्मा युगांडा के नाम से जाना जाता है, बल्कि धरती की सबसे उपजाऊ महिला भी समझा जाता है।

मरियम को यह सब समझने में सालों लग गए कि आखिर वे हर बार कैसे 3-4 बच्चे पैदा कर देती है। इस बात को समझने के लिए मरियम डॉक्टर के पास पहुंची। डॉक्टरों ने जांच की तब पता चला कि मरियम का अंडाशय सामान्य महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा बड़ा है। इस दुर्लभ कंडिशन को हाइपर ओव्यूलेशन कहा जाता है। डॉक्टरों ने कहा कि बच्चा बंद करने के लिए सर्जरी भी नहीं की जा सकती है, क्योंकि मरियम पर इसका भी कोई असर नहीं होगा।

नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता छीनने के लिए नहीं, अपितु नागरिकता देने के लिए है :अमित शाह

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रोत्साहक उपस्थिति में रविवार को अहमदाबाद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'नागरिकता प्रमाणपत्र वितरण' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर अमित शाह ने अपना आंतरिक आनंद व्यक्त करते हुए कहा कि अब ये सभी लोग भारत के नागरिक कहलाएंगे, गर्व के साथ जीवन जी सकेंगे। ये 188 नागरिक अन्य शरणार्थी नागरिकों के लिए उदाहरण समान हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नागरिकता प्राप्त करने वाले इन लोगों की संतानें आगामी समय में उद्योगपति, जनप्रतिनिधि जैसे पद प्राप्त कर देश सेवा करेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे गृह राज्य गुजरात में इन परिवारों को नागरिकता प्रमाणपत्र प्रदान करने पर मैं गुजरात सरकार एवं जनगणना विभाग को विशेष अभिनंदन प्रेषित करता हूँ।'' अतीत में हुए अन्याय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 से 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान आदि देशों से प्रताड़ित होकर भारत आने वाले नागरिकों को अब तक नागरिकता न देकर देश में भी प्रताड़ित किया गया, परंतु नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद शरणार्थी नागरिकों को न्याय व नागरिकता; दोनों मिले हैं। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद धर्म के आधार पर भारत का विभाजन हुआ और पड़ोसी देश के अल्पसंख्यक समुदायों पर अनेक प्रकार के अत्याचार किए गए। कुछ ने परिवार खोए, तो कुछ ने जीवन भर की मेहनत से बनाई संपत्ति खोई, परंतु उन्हें न्याय नहीं मिला। अंततः दशकों से अधूरा रहा कार्य नरेन्द्र ने पूर्ण किया। अमित शाह ने कहा कि 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) संसद से पारित होने के बाद कानून बना। इस कानून के तहत आज 188 नागरिकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जा रहे हैं, जिसका आनंद है। अन्य शरणार्थियों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने उनसे नागरिकता के लिए तेजी से आवेदन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार देश के गरीबों, युवाओं, किसानों तथा महिलाओं के विकास को लक्ष्य बना कर कार्य कर रही है। दूसरी ओर; भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर एवं शक्तिपीठ पावागढ की कायापलट कर सरकार ने विरासत का संरक्षण भी किया है।

लोन का भुगतान नहीं करने पर बैंक ने इसनपुर की लोटस स्कूल को किया सील

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के इसनपुर स्थित लोटस हायर सैकंडरी स्कूल को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सील कर दिया हैं रु. 1.25 लाख की बकाया लोन का भुगतान नहीं करने पर पीएनबी ने स्कूल के खिलाफ यह कार्यवाही की हैं बताया जाता है कि इससे पहले मजिस्ट्रेट ने लोन का भुगतान करने का स्कूल संचालकों को आदेश दिया थाँ बार बार नोटिस देने के बावजूद लोन का भुगतान नहीं करने पर आखिरकार पीएनबी ने लोटस स्कूल को सील कर दियाँ बैंक की कार्यवाही से लोटस स्कूल के विद्यार्थियों की पढ़ाई पर संकट मंडराने लगा हैं बैंक की कार्यवाही के बाद अहमदाबाद जिला शिक्षाधिकारी ने लोटस स्कूल को नोटिस जारी कर इस संदर्भ में उससे अवगत नहीं कराए जाने पर जवाब मांगा हैं साथ ही स्कूल के बच्चों की शिक्षा की वैकल्पिक व्यवस्था करने का भी स्कूल संचालकों को आदेश दिया हैं देखना होगा कि लोटस स्कूल में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए क्या व्यवस्था की जाती है?

188 निराश्रितों को नागरिकता देने का भगीरथ कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज लगभग 188 निराश्रितों को नागरिकता देने का भगीरथ कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है। अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को अहमदाबाद के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित 'नागरिकता प्रमाणपत्र वितरण' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि कि प्रधानमंत्री का 'जो कहना, वो करना' का संकल्प रहा है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्णायक नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि अमित शाह ने आतंकवाद व नक्सलवाद का मजबूती से खात्मा कर देश को सुरक्षित किया है। भूपेन्द्र पटेल ने जोर देकर कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएए तथा वर्षों पुराने कानूनों में बदलाव लाकर विकसित भारत की संकल्पना में योगदान दिया है। उन्होंने जोड़ा कि हमारा भारत सनातन हिन्दू संस्कृति, भाईचारे एवं वसुधैव कुटुम्बकम् में विश्वास करने वाला देश हैऔर जी-20 जैसे आयोजन इसकाप्रमाण देते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेलनेआगे कहा कि 1947 में स्वतंत्र होने से पहले देश धर्म एवं जाति में विभाजित था, परंतु जब गांधी जी व सरदार पटेल ने स्वराज दिलाया, तब गांधी जी ने कहा था कि विदेश में बसने वाले विभिन्न धर्मों के लोगों को यदि भारत में आना हो, तो उनका स्वागत है। मुख्यमंत्री ने गौरवपूर्वक कहा कि दशकों के बाद आज गुजरात के ही दो सपूतों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने बापू के संकल्प को वास्तविक अर्थ में साकार किया है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वसनीय एवं मजबूत देश के रूप में समग्र विश्व में स्थापित हुआ है। नरेन्द्र मोदी के शासन में विदेश में बसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन गंगा तथा ऑपरेशन अजय जैसे अनेक अभियान सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं।

नागरिकता संशोधन अधिनियम नागरिकता छीनने के लिए नहीं, अपितु नागरिकता देने के लिए है

- नरेन्द्र मोदी के पीएम पद संभालने के बाद शरणार्थियों को न्याय और नागरिकता दोनों मिले : अमित शाह

- प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले नागरिकों की संतानें उद्योगपति, जनप्रतिनिधि जैसे पद प्राप्त कर देश सेवा करेंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रोत्साहक उपस्थिति में रविवार को अहमदाबाद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'नागरिकता प्रमाणपत्र वितरण' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर अमित शाह ने अपना आंतरिक आनंद व्यक्त करते हुए कहा कि अब ये सभी लोग भारत के नागरिक कहलाएंगे, गर्व के साथ जीवन जी सकेंगे। ये 188 नागरिक अन्य शरणार्थी नागरिकों के लिए उदाहरण समान हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नागरिकता प्राप्त करने वाले इन लोगों की संतानें आगामी समय में उद्योगपति, जनप्रतिनिधि जैसे पद प्राप्त कर देश सेवा करेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे गृह राज्य गुजरात में इन परिवारों को नागरिकता प्रमाणपत्र प्रदान करने पर मैं गुजरात सरकार एवं जनगणना विभाग को विशेष अभिनंदन प्रेषित करता हूँ।'' अतीत में हुए अन्याय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 से 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान आदि देशों से प्रताड़ित होकर भारत आने वाले नागरिकों को अब तक नागरिकता न देकर देश में भी प्रताड़ित किया गया, परंतु नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद शरणार्थी नागरिकों को न्याय व नागरिकता; दोनों मिले हैं। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद धर्म के आधार पर भारत का विभाजन हुआ और पड़ोसी देश के अल्पसंख्यक समुदायों पर अनेक प्रकार के अत्याचार किए गए। कुछ ने परिवार खोए, तो कुछ ने जीवन भर की मेहनत से बनाई संपत्ति खोई, परंतु उन्हें न्याय नहीं मिला। अंततः दशकों से अधूरा रहा कार्य नरेन्द्र ने पूर्ण किया। अमित शाह ने कहा कि 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) संसद से पारित होने के बाद कानून बना। इस कानून के तहत आज 188 नागरिकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जा रहे हैं, जिसका आनंद है। अन्य शरणार्थियों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने उनसे नागरिकता के लिए तेजी से आवेदन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार देश के गरीबों, युवाओं, किसानों तथा महिलाओं के विकास को लक्ष्य बना कर कार्य कर रही है। दूसरी ओर; भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर एवं शक्तिपीठ पावागढ की कायापलट कर सरकार ने विरासत का संरक्षण भी किया है।

मौसम विभाग की गुजरात में अगले 5 दिन हलके से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान

अहमदाबाद (ईएमएस) एक बार फिर दो सिस्टम सक्रिय होने से मौसम विभाग की ओर से गुजरात में बारिश की भविष्यवाणी की गई हैं मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक राज्य में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई हैं अगले पांच दिनों तक राज्य में छिटपुट बारिश का अनुमान हैं 21 अगस्त से राज्य में फिर से भारी बारिश का अनुमान हैं नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली भारी बारिश के साथ येलो अलर्ट पर रहेंगे। अब तक सौराष्ट्र और कच्छ में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। अब तक 513 मिमी बारिश के मुकाबले 536 मिमी बारिश दर्ज की गयी हैं गुजरात में 21-22 अगस्त को दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने 23 अगस्त तक राज्य में गरज के साथ हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई हैं दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के पूर्वानुमान के मुताबिक इस महीने के अंत और 7 सितंबर तक कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना हैं 24 अगस्त तक राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना हैं उन्होंने 20 से 25 अगस्त के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई हैं बता दें कि राज्य में अब तक मानसून की 68.19 फीसदी बारिश हो चुकी हैं कच्छ में सबसे ज्यादा 86.68 फीसदी, सौराष्ट्र में अब तक मानसून की 78.09 फीसदी बारिश हो चुकी है। दक्षिण गुजरात में अब तक मानसून की 82.24 फीसदी बारिश हो चुकी है। वहीं उत्तर गुजरात में अब तक मानसून की 50.98 प्रतिशत और मध्य गुजरात में 48.97 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

दो जजों का फर्जी इस्तीफा लिखने वाली महिलाजज की बर्खास्तगी के खिलाफ याचिका हाईकोर्ट द्वारा खारिज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने अनसुटबिलिटी और जालसाजी के आरोपों में हटाई महिला जज को राहत देने से मना कर दिया है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद बर्खास्त जज की याचिका को खारिज कर दिया। बर्खास्त महिला की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध माई की पीठ ने सुनवाई की। खंडपीठ ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनकी बर्खास्तगी के आदेश में उन्हें किसी भी कदाचार के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। प्रधान जिला न्यायाधीश की रिपोर्ट पर उनके खिलाफ जांच से बर्खास्तगी के आदेश की प्रकृति को सजा में नहीं बदला जा सकता है, क्योंकि हाईकोर्ट की स्थायी समिति ने जांच रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं की है या कोई राय नहीं बनाई है। हालांकि पंचाल की याचिका की सुनवाई के दौरान त्यागपत्र में जालसाजी के मुद्दे पर चर्चा की गई, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश में इसे उनके खिलाफ किसी कार्रवाई का कारण नहीं बताया गया है।

महिला जज की बर्खास्तगी का यह मामला काफी पुराना है। गुजरात की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मयूरी पंचाल को 2013 में दो साल की परिवीक्षा अवधि के साथ शामिल किया गया था। बाद में उनकी परिवीक्षा अवधि मार्च 2022 तक बढ़ा दी गई थी। जब उनकी सेवाओं को समाप्त करने के लिए एक सरल आदेश जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। विस्तारित परिवीक्षा अवधि के दौरान 2017 में उनके आचरण को लेकर उनके खिलाफ विभागीय जांच हुई, लेकिन हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया और उनकी परिवीक्षा अवधि को आगे बढ़ा दिया गया। 2021 में जब वह सुरेंद्रनगर जिले के लिंबडी में अदालत में तैनात थीं तो प्रधान जिला न्यायाधीश को दो न्यायाधीशों के त्यागपत्र मिले, जिन्होंने उन्हें लिखने से इनकार किया। जालसाजी के लिए दो प्राथमिकी दर्ज की गईं और पुलिस जांच में पंचाल की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया।

दिसंबर 2022 में उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसमें दावा किया गया कि चूंकि उन्होंने कलेक्टर, रेंज आईजी, पुलिस अधीक्षक और पुलिस निरीक्षक के खिलाफ नोटिस जारी किए थे। इसलिए उनके खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हुई। उनकी अग्रिम जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उन्हें सुरेंद्रनगर जिले की सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। जिसके बारे में उन्होंने कहा कि वह पक्षपातपूर्ण होगी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन आखिरकार मई में उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। इस बीच मार्च 2022 में पंचाल को पद छोड़ने के लिए कहा गया। उन्होंने अपने वकील के साथ हाईकोर्ट में अपनी बर्खास्तगी को चुनौती दी, जिसमेंकहागयाकि बर्खास्तगी 2018 तक उनके असंतोषजनक प्रदर्शन पर आधारित थी, जबकि 2018 के बाद उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ था। उन्होंने अपनी बर्खास्तगी का विरोध करना जारी रखा और इसे 'कलंकपूर्ण' बताया, क्योंकि यह विभागीय जांच के बाद हुआ था।

वडोदरा से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाले मार्ग को हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विश्व पर्यटन स्थल के रूप में ख्याति प्राप्त स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एसओयू)-एकतानगर के साथ वडोदरा को जोड़ने वाले मार्ग को हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के कार्यों के लिए 381.16 करोड़ रुपए आवंटित करने को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा तथा मार्गदर्शन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का सरदार सरोवर बांध-एकतानगर में निर्माण हुआ है। इस एसओयू तथा एकतानगर का समग्र परिसर अनेक पर्यटन आकर्षणों के साथ विश्व भर के पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना है और बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ आते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन पर्यटकों को एसओयू तक पहुँचाने में सरलता के साथ समय एवं ईंधन की बचत और समग्र क्षेत्र के पर्यटन विकास को गति देने के उद्देश्य से इस हाईस्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस मंजूरी के फलस्वरूप हाईस्पीड कॉरिडोर के फेज-1 के कार्य के अंतर्गत वडोदरा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 जंक्शन से वडोदरा नगरीय विकास प्राधिकरण (वुडा) की सीमा तक छह मार्गीय सड़क निर्माण तथा दोनों ओर सर्विस रोड का कार्य, वुडा सीमा से डभोई तक के कुल सड़क मार्ग में बाकी बची 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क का स्टैंडर्ड चार मार्गीयकरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, इन कार्यों में दो अंडरपास तथा दो एलिवेटेड कॉरिडोर का भी निर्माण होगा। तद्अनुसार रतनपुर चौकड़ी पर तथा थुवावी जंक्शन पर 6 मार्गीय व्हीकल अंडरपास तथा केलनपुर गाँव में एवं सिनोर चौकड़ी पर 4 मार्गीय एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण भी किया जाएगा।

गुजरात में 15000 ओपीडी, 2500 से ज्यादा ऑपरेशन रद्द, हड़ताल से चिकित्सा व्यवस्था 'बीमार'

अहमदाबाद,18अगस्त (प्रतिनिधि द्वारा)

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर से रेप-हत्या की घटना के विरोध में अहमदाबाद के 1500 से ज्यादा निजी अस्पताल हड़ताल पर चले गए. जिससे करीब 15 हजार ओपीडी रहती है। और दो हजार से अधिक नियोजित सर्जरी रद्द कर दी गईं। आज (18 अगस्त) से निजी अस्पतालों में ओपीडी-इलाज सामान्य रूप से शुरू होगा। वहीं सरकारी अस्पतालों में भी ओपीडी होती है. और परिचालन 40 प्रतिशत से अधिक कम हो गया।

कोलकाता में महिला जूनियर डॉक्टर के साथ हुई घटना का असर पूरे देश पर पड़ा है. विरोध में राज्य भर के डॉक्टर शामिल हुए हैं। महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना के विरोध मेंडॉक्टरसड़कोंपर उतर आये. जिससे वायरल बुखार की चिकित्सा व्यवस्था बाधित होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद के असारवा सिविल अस्पताल में आमतौर पर 2200 ओपीडी होती हैं। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के बाद सर्जरी पर भी असर पड़ा.

आमतौर पर 40 से अधिक ऑपरेशन किए जाते हैं। जिसके खिलाफ 22 ऑपरेशन चलाए गए। हड़ताल के बाद, सोला सिविल में ओपीडी में सामान्य गिरावट देखी गई। सिविल में आज करीब 700 ऑपरेशन रद्द किये गये। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को कोई दिक्कत न हो इसका विशेष ख्याल रखा गया। दिन भर में 3 हजार लोगों को आपातकालीन उपचार दिया गया. उधर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुजरात शाखा ने कोलकाता की घटना के बाद डॉक्टरों के लिए सुरक्षा बिल की मांग की है.

अहमदाबादमेडिकल एसोसिएशन के डॉ. मुकेश माहेश्वरी ने कहा, 'शनिवार सुबह आयकर सुधार बैठक हुई. जिसमें एक हजार से अधिक डॉक्टर न्याय की मांग करते हुए बैनर लेकर शामिल हुए। शाम को 600 से ज्यादा डॉक्टर इकट्ठा हुए और कैंडल मार्च में हिस्सा लिया.'

वर्तमान समय में वायरल संक्रमण, मच्छर जनित बीमारी फैली हुई है। उस समय डॉक्टरों की हड़ताल के कारण मरीजों को काफी परेशानी कासामनाकरना पड़ा था. सर्दी-बुखार के सैकड़ों मरीजों को खुद ही दवा लेने पर मजबूर होना पड़ा। ओपीडी आज से आम दिनों की तरह आज भी अस्पताल-क्लिनिक में मरीजों की लंबी कतार देखने को मिलेगी.

कोलकाता में महिला डॉक्टरों के साथ दुष्कर्म-हत्या जैसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए अहमदाबाद के असारवा सिविल अस्पताल में विशेष इंतजाम किए गए हैं। सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने कहा, 'अस्पताल के सभी क्षेत्रों में रोशनी बढ़ा दी गई है. पुराने ट्रॉमा सेंटर के सामने कैंटीन में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता था। जिसके चलते इसे बंद कर दिया गया है. रात में भी पीजी हॉस्टल के पास पुलिस की एक टीम तैनात रहेगी. रात की महिला डॉक्टर अगर इमरजेंसी में जाएंगी तो उनकी टीम भी उनके साथ रहेगी। स्थानीय गश्त - पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। स्पीड ब्रेकर बढ़ा दिए गए हैं? ताकि अगर कोई छेड़छाड़ कर भाग रहा हो तो उसे तुरंत पकड़ा जा सके। ट्रॉमा ट्रॉमा सेंटर और आईसीयू में मरीज वही रहेगा और उसके साथ अतिरिक्त रिश्तेदारों को आने की इजाजत नहीं होगी।'

मातृऋण अदा करने के लिए वृक्षारोपण से अच्छा कोई विकल्पनहीं होसकता:अमित शाह

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रक्षाबंधन पर्व से पूर्व रविवार को अहमदाबाद को अनुमानित 1003 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी-मनपा) के अनुमानित 1003 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर राज्य सरकार के केबिनेट मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा तथा अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित उपस्थित महानुभावों ने डोर टु डोर वेस्ट कलेक्शन वैन को झंडी दिखा कर प्रस्थान कराया। इस दौरान अमित शाह ने स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी किया। गांधीनगर तथा अहमदाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुमानित 1003 करोड़ रुपए के विभिन्न जनोन्मुखी विकास कार्यों के लोकार्पण तथा शिलान्यास के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात सरकार तथा अहमदाबाद मनपा (एएमसी) का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में 730 करोड़ रुपए की 21 परियोजनाओं का लोकार्पण व 4 विकास कार्यों का शिलान्यास सहित अहमदाबाद पूर्व व अहमदाबाद पश्चिम संसदीय क्षेत्रों में 18 परियोजनों का लोकार्पण व विकास कार्यों का शिलान्यास आज संपन्न हुआ है। इनमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, खेल-कूद, पर्यावरण संक्षरण आदि क्षेत्रों के अनेक विकास कार्य शामिल हैं। अमित शाह ने आगे कहा कि पिछले पाँच वर्ष में राज्य सरकार व अहमदाबाद मनपा ने हर वर्ष गांधीनगर संसदीय क्षेत्र के नागरिकों को अनुमानित 5000 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट दी है, जिसके परिणामस्वरूप अहमदाबाद शहर तथा गांधीनगर संसदीय क्षेत्र हर दिन विकास के नए आयाम पार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्याओं के समाधान के रूप में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रारंभ कराया है। मातृऋण अदा करने के लिए वृक्षारोपण से अच्छा कोई विकल्प या मार्ग नहीं हो सकता। उन्होंने जोड़ा कि अहमदाबाद मनपा ने मिशन 3 मिलियन ट्री अंतर्गत केवल 100 दिनों में 30 लाख पेड़-पौधे लगाने का भगीरथ कार्य शुरू किया है। इसी प्रकार; देश के विभिन्न शहरों ने इस अभियान को दायित्व के रूप में लेकर एक विशाल जन अभियान में परिवर्तित किया है।

अहमदाबाद के नगरजनों से वृक्षारोपण में सक्रिय रूप से सहभागी होने की अपील करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए 100 दिनों में 30 लाख पेड़ लगाने का संकल्प किया है। एएमसी ने शहर में जगह-जगह ऑक्सीजन पार्क बनाए हैं। इस अभियान में शहर के हर नागरिक को अपना सक्रिय योगदान देना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि प्रत्येक नगरजन अपना नैतिक कर्तव्य समझ कर घर में जितने सदस्य हों, उतने पेड़ भी लगाएँ, तो केवल दो ही वर्ष में शहर को हरियाला बनाया जा सकता है। हमारी सोसाइटी, परती भूमि, बच्चों के स्कूलों में अधिक से अधिक पेड़ लगा कर उनका अपने बच्चे की तरह पालन-पोषण करने का हम सभी आज दृढ़संकल्प करें। हमें ग्लोबल वॉर्मिंग की गंभीर समस्याओं के विरुद्ध समय रहते जागना होगा। राज्य तथा शहर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कुशल नेतृत्व व सुशासन के फलस्वरूप लगातार तीसरी बार गुजरात एवं समग्र देश ने हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जनादेश दिया है। आने वाले समय में विकसित अहमदाबाद से विकसित गुजरात बनाने के उद्देश्य के साथ शहर में विकास किया जाएगा। उन्होंने जोड़ा कि अहमदाबाद मनपा नगरजनों की सुख-सुविधा एवं ईज ऑफ लिविंग के लिए लगातार कार्य कर रही है। आज प्रारंभ किए गए जिम्नेशियम, स्विमिंग पूल, ऑक्सीजन पार्क आदि विकास कार्य नगरजनों की सुख-सुविधा बढ़ाएंगे।

वडोदरा से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सडसडाट पहुंचेंगे, राज्य सरकार ने की परियोजना घोषणा की

वडोदरा,18 अगस्त (प्रतिनिधि द्वारा)

पर्यटकों के लिए अब वडोदरा से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचना आसान हो जाएगा. मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-एकता नगर-वडोदरा रोड को हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के कार्यों को मंजूरी दे दी है, इस परियोजना के लिए रु. 381.16 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं.

सरदार सरोवर बंध-एकता नगर में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा ठस्टैच्यू ऑफ यूनिटीठ का निर्माण किया गया है। यह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और एकतानगर का पूरा परिसर कई पर्यटक आकर्षणों के साथ दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक केंद्र बन गया है। पर्यटकों को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचने की सुविधा देने, समय और ईंधन बचाने और पूरे क्षेत्र के पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए इस हाई स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री की मंजूरी के परिणाम स्वरूप,हाईस्पीड कॉरिडोर का चरण-द वडोदराराष्ट्रीय राजमार्ग 48 जंक्शन से वुडा सीमातक छह लेन की सड़क बनजाएगा और वुडा सीमा से दाभोई तक25 किमी तक दोनों तरफ एक सर्विसरोडहोगी।लंबाई में मानकफोरलेन सड़कबनाईजाएगी। इस कार्य में दो अंडरपास और दो एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनाए जाएंगे। इसमें रतनपुर चौक और थुवावी जंक्शन पर छह-लेन वाहन अंडरपास का निर्माण,साथ ही केलनपुर गांव और सिनोर चौक पर चार-लेन एलिवेटेडकॉरिडोरका निर्माण भी शामिल होगा।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर अब से सरकारी और निजी स्कूल कॉलेजों के छात्रों के समूह, दिव्यांग व्यक्तियों के समूह और सरकारी-अर्धसरकारी संगठनों के समूह को टिकट दरों में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

एसएमसी की रक्षा बंधन की भेंट : सिटी बस और बीआरटीएस में महिला व बच्चों के लिए यात्रा मुफ्त

सूरत (ईएमएस) सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने रक्षाबंधन पर्व पर शहर की महिलाओं को भेंट दी हैं रक्षा बंधन के दिन एसएमसी संचालित सिटी बस और बीआरटीएस में महिला और उनके साथ 15 वर्ष तक की आयु वाले बच्चे मुफ्त यात्रा कर सकेंगें रक्षाबंधन पर्व पर ज्यादा से ज्यादा महिला सार्वजनिक परिवहन सेवा का लाभ ले सकें, इसके लिए एसएमसी ने यह सोमवार को महिला और बच्चों के लिए मुफ्त यात्रा का ऐलान किया हैं भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए निजी वाहनों से लंबी दूरी तय करती हैं। जिसे ध्यान में रखते हुए नगर पालिका ने घोषणा की है कि रक्षाबंधन के दिन बहनें और उनके 15 साल तक के बच्चे शहर और बीआरटीएस में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। पिछले वर्ष भी नगर पालिका ने रक्षाबंधन के दिन बहनों के लिए यात्रा निःशुल्क रखी थी। सूरत नगर निगम द्वारा सीटीबस और बीआरटीएस बसों का किराया आम लोगों के लिए भी किफायती रखा गया है। बड़ी संख्या में छात्र, वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं सिटी बस और बीआरटीएस बस सेवाओं का लाभ उठाते हैं। बड़ी संख्या में मजदूर वर्ग के लोग बस सेवा का लाभ उठाते हैं। सिटीबस सेवा उनके लिए वरदान है। शहर के हर कोने में सिटीबस और बीआरटीएस बस सेवाएं उपलब्ध होने से बहनों को शहर के किसी भी हिस्से तक पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होती। नगर पालिका की गणना के मुताबिक बीआरटीएस के 13 और सिटीबस के 45 रूटों पर कुल 2 लाख लोग सफर करते हैं।

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री ने गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के पिता स्व. रमेश संघवी को श्रद्धांजलि दी

सूरत (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटील ने गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के पिता रमेशभाई संघवी आज श्रद्धासुमन समर्पित किएं बता दें कि रमेशभाई संघवी का कल सूरत में निधन हो गया थाँ रमेशभाई संघवी काफी समय से बीमार थे और उनका सूरत के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा थाँ

अस्पताल में इलाज के दौरान रमेशभाई संघवी ने अंतिम सांस लीं आज सूरत के इंडोर स्टेडियम में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया थाँ प्रार्थना सभा में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल सहित कई मंत्री, राजनीतिक दल के नेता, अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और समुदाय के लोग उपस्थित रहें प्रार्थना सभा में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, भाजपा नेता सी.आर. पाटिल, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, अधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और समाज के लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बता दें कि गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी के पिता लंबे समय से बीमार थें कोरोना के बाद आगे के इलाज के लिए उन्हें हैदराबाद भी ले जाया गया थाँ हालांकि पिछले तीन दिनों से सूरत के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा थाँ दिवंगत रमेशभाई संघवी की प्रार्थना सभा गांधीनगर में भी होगीं यह प्रार्थना सभा 20 अगस्त 2024 यानी मंगलवार को शाम 5 बजे से 7 बजे तक होगीं यह प्रार्थना सभा गांधीनगर में मंत्री निवास परिसर, सामुदायिक भवन, राजभवन में आयोजित की जाएगी।

लंबी छुट्टी लेकर 'सरकारी बाबू' ने जजों को दी चेतावनी, सभी विभागों में जांच कराने की तैयारी

गांधीनगर18 अगस्त(प्रतिनिधि द्वारा)

गुजरात में सरकारी नौकरी करके लंबी छुट्टी पर जाकर विदेश में परफॉर्म करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सरकार अब सख्त नियम ला रही है। पहले शिक्षा और अब स्वास्थ्य विभाग में चल रही नौकरियों के लिए लोगों के विदेशजाने के मामलों से हैरान सरकार ने विदेश जाने के पुराने नियमों की समीक्षा करने का फैसला किया है।

कर्मचारियों के लिए छुट्टी के मानदंड तय करने वाले सरकारी विभागों को सतर्क कर दिया गया है और नियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। राज्य के शिक्षा विभाग में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के विदेश में बसने के कई मामले सामने आने के बाद यह देखा गया है कि स्वास्थ्य विभाग में भी ऐसी ललियावाड़ी चल रही है.

उत्तर गुजरात के कुछ इलाकों में जिला पंचायत के स्वास्थ्य कर्मियों के लंबी छुट्टी पर विदेश जाने के मामले देखे गए हैं. कुछ कर्मचारियों के चालू रोजगार पर लंबे समय तक विदेश में रहने के मामले में नोटिस जारी किए गए हैं। राज्य के शिक्षा विभाग में पिछले कुछ वर्षों से ऐसी गतिविधि चल रही थी.

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95